Vastu Guruji
वास्तु हेतु संपर्क करें...
मो.नं. 9074110000
9770888888

दैनिक
साकार भारत
रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684

वास्तु गुरुजी

वर्ष : 3 अंक : 229 पृष्ठ : 8 मुल्य: 1:00 रायपुर, रविवार 06 सितंबर, 2026 www.sakarbharat.com

राष्ट्रपति मुर्मू ने दिल्ली के विज्ञान भवन में शिक्षकों को नेशनल टीचर अवॉर्ड दिया

नई दिल्ली। शिक्षक दिवस के मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को दिल्ली के विज्ञान भवन में देशभर के 48 स्कूल शिक्षकों को नेशनल टीचर अवॉर्ड से सम्मानित किया। इनमें केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय, सैनिक स्कूल, आदर्श जनजातीय स्कूल और पीएम श्री स्कूलों के शिक्षक शामिल हैं।

इन शिक्षकों ने पढ़ाई को आसान और दिलचस्प बनाने के लिए अलग-अलग तरीके अपनाए। महाराष्ट्र के वैभव वसंतराव कुलकर्णी ने गणित के मुश्किल टॉपिक समझाने के लिए 700 से ज्यादा वीडियो बनाए। वहीं राजस्थान के दिव्येंदु सेन ने 500 पेड़ों पर त्तक्र कोड लगाकर बच्चों को पेड़ों की जानकारी देने का नया तरीका अपनाया।

इसके अलावा पंजाब के दिनेश कुमार ने वर्चुअल फिजिक्स लैब और 100 से ज्यादा कम खर्च वाले मॉडल तैयार किए। 48 स्कूल शिक्षकों के अलावा उच्च शिक्षा संस्थानों और पॉलिटेक्निक के 21 शिक्षक व फैकल्टी सदस्य और कौशल विकास मंत्रालय के 13 कौशल प्रशिक्षकों को भी नेशनल टीचर अवॉर्ड मिला है।

ISRO की एक और शानदार उपलब्धि: GSLV-F17 के सफल प्रक्षेपण पर पीएम ने जताया गर्व

नई दिल्ली। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म **X** (पूर्व में ट्विटर) पर एक संदेश साझा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि **GSLV-F**17 की यह सफलता न केवल ढ्ढस्क्रह्र के तकनीकी कौशल का प्रमाण है, बल्कि यह अंतरिक्ष एजेंसी और भारतीय उद्योग जगत के बीच गहरे होते सहयोग को भी उजागर करती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन द्वारा **GSLV-F**17 मिशन के सफल प्रक्षेपण पर वैज्ञानिकों और पूरी टीम की सराहना की। उन्होंने इस उपलब्धि को देश के लिए अत्यंत गर्व का क्षण बताते हुए कहा कि यह मिशन भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र की उत्कृष्ट कार्यक्षमता, नवाचार (इनोवेशन) और लगातार मजबूत होती क्षमताओं को रेखांकित करता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म **X** (पूर्व में ट्विटर) पर एक संदेश साझा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि **GSLV-F**17 की यह सफलता न केवल **ISRO** के तकनीकी कौशल का प्रमाण है, बल्कि यह अंतरिक्ष एजेंसी और भारतीय उद्योग जगत के बीच गहरे होते सहयोग को भी उजागर करती है।

उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा: '**ISRO** की एक और शानदार उपलब्धि और हमारे देश के लिए गर्व का क्षण। भारत के पहले अर्थ इमेजिंग सैटेलाइट **EOS**-05 को जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट में स्थापित करने वाले **GSLV-F**17 का सफल लॉन्च, भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र की बेहतरीन कार्यक्षमता, इनोवेशन और बढ़ती क्षमताओं की झलक है।'

धमतरी में भू-जल संवर्धन को मिली नई रफ्तार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में जल संरक्षण और भू-जल संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए जिला प्रशासन द्वारा 357 सामुदायिक जल स्त्रोतों पर सैंड फिल्टर (रीचार्ज पिट्स) के निर्माण की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। यह वैज्ञानिक संरचनाएं वर्षा जल को प्राकृतिक रूप से छानकर जमीन के भीतर पहुंचाएंगी, जिससे ग्रामीण और विशेषकर आदिवासी बहुल इलाकों में जल स्तर सुधरेगा।

धमतरी जिले में वर्षा जल के संरक्षण, भू-जल स्तर में सतत सुधार और ग्रामीण क्षेत्रों में जल सुरक्षा को दीर्घकालिक रूप से मजबूत करने के उद्देश्य से एक बड़ी प्रशासनिक पहल की गई है। जिले में 'वीबी-जी रामजी योजना' के तहत जल संरक्षण और संवर्धन से जुड़े कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कुल 357 रिचार्ज पिट निर्माण कार्यों को औपचारिक मंजूरी दी गई है। स्वीकृति मिलते ही जिले के विभिन्न क्षेत्रों में इन संरचनाओं का निर्माण कार्य तीव्र गति से प्रारंभ कर दिया गया है।

AI के युग में शिक्षक बनें विद्यार्थियों के मार्गदर्शक, तकनीक के विवेकपूर्ण उपयोग की दें सीख : राज्यपाल डेका

शिक्षक नई पीढ़ी के निर्माता, विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में शिक्षा की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण : सीएम विष्णु देव साय

रायपुर । राज्यपाल श्री रमेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शिक्षक दिवस के अवसर पर आज लोकभवन के छत्तीसगढ़ मण्डपम् में आयोजित राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षक-शिक्षिकाओं को सम्मानित कर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। समारोह में वर्ष 2025-26 के लिए प्रदेश के 63 उत्कृष्ट शिक्षकों को राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। चार उत्कृष्ट शिक्षकों को राज्य शिक्षक सम्मान स्मृति पुरस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने वर्ष 2026-27 के राज्य शिक्षक सम्मान के लिए चयनित 64 शिक्षकों के नामों की घोषणा भी की।

समारोह के मुख्य अतिथि राज्यपाल श्री रमेन डेका ने शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि तेजी से बदलती दुनिया में शिक्षा और शिक्षक की भूमिका भी व्यापक हो रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ह्रढ्ढ) के इस दौर में शिक्षकों और विद्यार्थियों का नई तकनीकों से परिचित होना आवश्यक है, लेकिन उससे भी अधिक जरूरी तकनीक का विवेकपूर्ण, जिम्मेदार और मानवीय मूल्यों के अनुरूप उपयोग है। उन्होंने कहा कि ह्रढ्ढ हमारा सहायक बने, हमारा नियंत्रक नहीं। शिक्षक विद्यार्थियों को तकनीक का उपयोग ज्ञान अर्जित करने, नवाचार करने और अपने व्यक्तित्व को निखारने के लिए प्रेरित करें।

राज्यपाल डेका ने कहा कि आज गूगल और डिजिटल तकनीक के माध्यम से हमारे पास सूचनाओं का विशाल संसार उपलब्ध है। इसके बावजूद हमें यह ध्यान रखना होगा कि तकनीक पर अत्यधिक निर्भरता स्वतंत्र चिंतन और बौद्धिक विकास को प्रभावित न करे। दुनिया के अनेक देशों में विद्यार्थियों द्वारा स्मार्टफोन और सोशल मीडिया के उपयोग को लेकर गंभीर विचार-विमर्श हो रहा है। तकनीक हमें जानकारी उपलब्ध करा सकती है, लेकिन संस्कार, संवेदना, अनुशासन, प्रेरणा और जीवन की सही दिशा गुरु से ही मिलती है। इसलिए बदलते समय में शिक्षक की भूमिका पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने देश की शिक्षा व्यवस्था को अधिक व्यावहारिक, कौशल आधारित, बहुभाषी और विद्यार्थी-केंद्रित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण आधार तैयार किया है। आने वाले समय में शिक्षा के स्वरूप में व्यापक बदलाव देखने को मिलेंगे। ऐसे में शिक्षकों को निरंतर अपने ज्ञान और कौशल को अद्यतन करना होगा। साथ ही विद्यार्थियों की रुचि और प्रतिभा को पहचानकर उन्हें सही विषय और करियर चुनने में मार्गदर्शन देना होगा। विद्यार्थियों की काउंसलिंग भी शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका का हिस्सा है।

SHORT NEWS

टेक्सटाइल सेक्टर में छत्तीसगढ़ के लिए बड़ी संभावनाएं

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह से मुलाकात कर छत्तीसगढ़ में टेक्सटाइल उद्योग के विस्तार, निवेश और रोजगार की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री को राज्य की नई औद्योगिक विकास नीति में टेक्सटाइल सेक्टर को दिए गए विशेष प्रोत्साहनों तथा इस क्षेत्र में आ रहे निवेश की जानकारी दी। दोनों नेताओं के बीच छत्तीसगढ़ को मध्य भारत के प्रमुख टेक्सटाइल और अपैरल मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में विकसित करने तथा आधुनिक तकनीक, डिजाइन और नवाचार को राज्य के पारंपरिक वस्त्र कौशल से जोड़ने को लेकर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में टेक्सटाइल सेक्टर के विकास की व्यापक संभावनाएं हैं। राज्य सरकार ने औद्योगिक विकास नीति 2024-30 में टेक्सटाइल सेक्टर को थ्रस्ट सेक्टर के रूप में शामिल किया है।

सीजीपीएससी ने राज्य सेवा मुख्य परीक्षा-2025 के परिणाम को लेकर स्थिति की स्पष्ट

रायपुर। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग ने राज्य सेवा मुख्य परीक्षा-2025 के माध्यम से साक्षात्कार के लिए चिन्हांकित अभ्यर्थियों की संख्या को लेकर सोशल मीडिया पर फैल रही भ्रांतियों को स्पष्ट किया है। आयोग ने कहा है कि राज्य सेवा परीक्षा-2025 में निर्धारित संख्या से कम अभ्यर्थियों का चिन्हांकन किसी त्रुटि के कारण नहीं, बल्कि निर्धारित न्यूनतम अर्हकारी अंक प्राप्त नहीं करने के कारण हुआ है।

आयोग के अनुसार, राज्य सेवा परीक्षा-2025 के विज्ञापन की कंडिका 3 एवं छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग प्रक्रिया नियम की कंडिका 7 के तहत प्रत्येक प्रश्न-पत्र में अनारक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम 33 प्रतिशत तथा आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम 23 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है। परीक्षा में कुछ अभ्यर्थियों द्वारा निर्धारित अर्हकारी अंक प्राप्त नहीं किए जाने के कारण साक्षात्कार के लिए चिन्हांकित अभ्यर्थियों की संख्या वांछित संख्या से कम हो सकती है।

शिक्षकों का समाज में स्थान सदैव आदरणीय एवं अग्रणी : विजय शर्मा

कवर्धा । उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने कहा कि हमारे राष्ट्र निर्माता शिक्षकों का समाज में स्थान सदैव आदरणीय एवं अग्रणी है। विजय शर्मा आज स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल, कवर्धा में आयोजित मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण, शिक्षा सत्र 2026-27, शिक्षा दूत एवं ज्ञानदीप पुरस्कार सम्मान समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाले जिले के 108 शिक्षकों को शिक्षा दूत एवं ज्ञानदीप पुरस्कार से सम्मानित किया। सम्मानित शिक्षकों में सेवानिवृत्त शिक्षक भी शामिल रहे।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने सभी शिक्षकों को शॉल, श्रीफल, मोमेंटो एवं प्रमाण पत्र भेंट कर सम्मानित किया और उनके योगदान के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सम्मानित सभी शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में उनके द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्य विद्यार्थियों और समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री ने गुरुजनों से मिले संस्कार और ज्ञान को आज भी प्रासंगिक और उपयोगी बताया। उन्होने कहा कि शिक्षक राष्ट्र के नव निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षक केवल कक्षा में पाठ्यक्रम का ज्ञान देने तक सीमित नहीं होते, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण और उनके जीवन को सही दिशा देने का कार्य भी करते हैं।

धान से गेंदा की खेती की ओर बढ़े आनंद राम, 0.400 हेक्टेयर में कमाया 3.96 लाख रुपए

रायपुर। धान की खेती करने वाले किसान श्री आनंद राम ने उद्यानिकी विभाग के मार्गदर्शन और एनएचएम गेंदा क्षेत्र विस्तार योजना का लाभ लेते हुए 0.400 हेक्टेयर क्षेत्र में गेंदा फूल की खेती की। इससे उन्हें लगभग 44 क्विंटल गेंदा फूल का उत्पादन प्राप्त हुआ और बिक्री से 3 लाख 96 हजार रुपये की आय हुई।

लैलूंगा विकासखण्ड के ग्राम-कोड़केल निवासी किसान श्री आनंद राम सिदार पहले अपने खेत में धान की खेती करते थे। 0.400 हेक्टेयर क्षेत्र में धान से उन्हें लगभग 10 क्विंटल उत्पादन प्राप्त होता था, जिसे बेचने पर करीब 31 हजार रुपये की आय होती थी। विभिन्न लागतों को घटाने के बाद उनका कुल लाभ लगभग 22 हजार रुपये रहता था। वर्ष 2025-26 में उद्यानिकी विभाग द्वारा किसान को गेंदा फूल की खेती के लिए प्रोत्साहित किया गया। विभाग की आवश्यक तकनीकी जानकारी और मार्गदर्शन के आधार पर किसान ने अपने 0.400 हेक्टेयर सिंचित क्षेत्र में गेंदा की खेती की।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी प्रेम और संस्कृति से जुड़े रहने का पर्व : अरुण साव

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव आज मानस मंच लोरमी में सर्व यादव समाज एवं यदुवंशी सेना द्वारा आयोजित श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव में शामिल हुए। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की। उन्होंने भव्य शोभायात्रा में शामिल होकर भगवान श्रीकृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त किया।

उप मुख्यमंत्री साव ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव को संबोधित करते हुए कहा कि यादव समाज सनातन संस्कृति और परंपराओं की मजबूत पहचान है। समाज राउत नाचा जैसी समृद्ध लोक परंपराओं को आज भी सहेजकर आगे बढ़ा रहा है। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व हमें एकजुटता, प्रेम और उल्लास के साथ अपनी संस्कृति से जुड़े रहने का संदेश देता है।

जन्माष्टमी उत्सव पर मानस मंच से बाइक रैली निकाली गई। रैली शिवपाट होते हुए लोरमी शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरी। इसके बाद शीतला मंदिर, बाजारपारा से भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जो मेन रोड होते हुए मानस मंच पहुंची।

मानस मंच में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। छत्तीसगढ़ रत्न प्रसिद्ध लोकगायिका आरु साहू ने शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। इसके साथ ही 'महादेव तांडव' रोड शो और बाइक रैली निकली। बड़ी संख्या में समाज के लोग और श्रद्धालु कार्यक्रम में शामिल हुए।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर सर्व यादव समाज लोरमी द्वारा निःशुल्क रक्तदान शिविर भी आयोजित किया गया। शिविर में समाज के साथ इच्छुक लोगों ने भी स्वेच्छा से रक्तदान किया। लोरमी नगर पालिका के अध्यक्ष श्री सुजीत वर्मा, उपाध्यक्ष डॉ. अशोक जायसवाल, जनपद पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती वर्षा सिंह, श्री विक्रम सिंह, श्री गुरमीत सलूजा, श्री धनीराम यादव और श्री संजय यादव सहित यादव समाज तथा यदुवंशी सेना के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक भी बड़ी संख्या में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव में शामिल हुए।

अवैध शराब परिवहन पर आबकारी विभाग की कार्रवाई, तीन आरोपी गिरफ्तार

बलौदाबाजार । आबकारी विभाग ने अवैध शराब के परिवहन और बिक्री के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वृत्त बलौदाबाजार-कसडोल की टीम ने अलग-अलग मामलों में आरोपियों के कब्जे और परिवहन से कुल 380 पाव शराब, 68.4 बल्क लीटर मदिरा बरामद की है। आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2), 59(क) के तहत तीन प्रकरण कायम किए गए हैं। आबकारी विभाग के अनुसार कार्रवाई में ग्राम खैंदा थाना बलौदाबाजार निवासी भोगप्रसाद कोसले पिता रमेश कोसले के कब्जे से 230 नग पाव, 41.4 बल्क लीटर देशी मदिरा मसाला बरामद की गई। इसी तरह ग्राम सर्वा थाना कसडोल निवासी राजू डहरिया पिता कुमार डहरिया को वाहन क्रमांक सीजी 04 एजे 8904 एचएफ डीलक्स में 100 नग पाव, 18 बल्क लीटर विदेशी मदिरा जम्मू व्हिस्की का परिवहन करते पकड़ा गया।

एक अन्य कार्रवाई में कसडोल निवासी अनिल कुमार राव पिता भूषण राव को वाहन क्रमांक सीजी 22 आर 0230 एचएफ डीलक्स में 50 नग पाव, 9 बल्क लीटर विदेशी मदिरा जम्मू व्हिस्की का परिवहन करते पकड़ा गया।

तीनों मामलों में आबकारी विभाग ने शराब और परिवहन में प्रयुक्त दोनों दोपहिया वाहनों को जब्त कर आरोपियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की है। कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी जलेस सिंह, आबकारी उपनिरीक्षक मनराखन नेताम सहित आबकारी आरक्षक अभिषेक कुमार, हेमंत कुमार वर्मा, ओंकार ध्रुव, निकिता चौहान, नगर सैनिक कमल वर्मा, राजकुमारी पैकरा, दुर्गा ध्रुव और दुर्गेश्वरी कुर्रे शामिल रहे।

जिले के पदाधिकारी बैठक मे डॉ विनय पाठक मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे

चांपा । भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ छत्तीसगढ़ प्रदेश की कार्यसमिति की महत्वपूर्ण बैठक रविवार, 6 सितंबर 2026 को नेहरू चौक के पास जलसंसाधन परिसर स्थित प्रार्थना भवन बिलासपुर में आयोजित है। बैठक में प्रख्यात् भाषाविद् , साहि?यकार, राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय शोध समीक्षक, पूर्व अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग (केबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त)शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर में हिन्दी के विभागाध्?यक्ष के पद से सेवानिवृत प्राध्यापक डॉ विनय पाठक मुख्य अतिथि होंगे। भारतमाता के चित्र पर माल्यार्पण कर प्रदेश भर से उपस्थित भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ छत्तीसगढ़ के पदाधिकारियों को मार्गदर्शन करेंगें। बैठक की अध्यक्षता प्रांताध्यक्ष वीरेन्द्र नामदेव करेंगे।

कलेक्टर कुलदीप शर्मा से की मुलाकात, साझा किया संघर्ष और सफलता का सफर, परीक्षा की तैयारी को लेकर मिला मार्गदर्शन

बलौदाबाजार । ग्राम टेहका के प्रतिभाशाली युवा योगेश साहू ने गुरुवार को कलेक्टर कुलदीप शर्मा से सौजन्य भेंट की। आईआईटी बॉम्बे से बीटेक करने के बाद अच्छी नौकरी का अवसर छोड़कर यूपीएससी की तैयारी में जुटे योगेश ने कलेक्टर से अपने अब तक के सफर और भविष्य के लक्ष्य को लेकर चर्चा की। योगेश लोकप्रिय टीवी शो कौन बनेगा करोड़पति में भी कंटेस्टेंट रह चुके हैं।

कलेक्टर शर्मा ने योगेश से यूपीएससी अभ्यर्थी से लेकर केबीसी कंटेस्टेंट बनने तक के अनुभवों की जानकारी ली। उन्होंने यूपीएससी की तैयारी को लेकर अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि सिविल सेवा परीक्षा का लक्ष्य बड़ा है और इसके लिए निरंतर मेहनत, अनुशासन और एकाग्रता जरूरी है। उन्होंने विशेष रूप से प्रीलिम्स के बाद मेन्स की तैयारी के लिए मिलने वाले करीब 120 दिनों को बेहद महत्वपूर्ण बताते हुए इस अवधि का बेहतर उपयोग करने की सलाह दी। कलेक्टर ने योगेश को समय प्रबंधन, अध्ययन की रणनीति और परीक्षा के विभिन्न चरणों की तैयारी से जुड़े महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने दिल्ली में छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए संचालित ट्राइबल यूथ हॉस्टल की जानकारी भी दी, जहां यूपीएससी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए आवास की सुविधा उपलब्ध है। कलेक्टर ने योगेश को तैयारी के दौरान हरसंभव सहयोग का आश्वासन देते हुए उनके लक्ष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। योगेश ने बताया कि यूपीएससी में सफल होने के बाद उनका लक्ष्य आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को शिक्षा के लिए प्रेरित करना और उनकी मदद करना है। उन्होंने कहा कि अपने सफर में जिन चुनौतियों और परेशानियों का सामना करना पड़ा, वे दूसरे बच्चों को न झेलनी पड़ें, इसके लिए वे आगे काम करना चाहते हैं। योगेश के पिता गयाराम साहू पेशे से ड्राइवर हैं। आर्थिक और सामाजिक चुनौतियों के बावजूद उन्होंने बेटे की शिक्षा और उसके सपनों को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

पिता के सहयोग और अपनी मेहनत के दम पर योगेश आईआईटी बॉम्बे तक पहुंचे। आईआईटी कैंपस में उन्हें अच्छी नौकरी का अवसर भी मिला, लेकिन उन्होंने नौकरी के बजाय यूपीएससी की तैयारी कर समाज की सेवा करने का संकल्प लिया। मुलाकात के दौरान योगेश के परिजन भी मौजूद रहे।

पीओपी की मूर्तियों पर प्रतिबंध लगाने यूथ इंडिया क्लब ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

■ पर्यावरण संरक्षण के लिए इको-फ्रेंडली मूर्तियों के निर्माण और बिक्री को बढ़ावा देने की मांग

जांजगीर-चांपा । आगामी त्योहारों एवं पर्वों को देखते हुए यूथ इंडिया क्लब ने प्लास्टर ऑफ पेरिस से निर्मित मूर्तियों के निर्माण, खरीदी और बिक्री पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। इस संबंध में क्लब के सदस्यों ने एसडीएम सुमित बघेल को ज्ञापन सौंपकर पीओपी की मूर्तियां बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की।क्लब के अध्यक्ष मन्नू थवाईत ने बताया कि प्लास्टर ऑफ पेरिस आसानी से घुलनशील और विघटित होने वाला पदार्थ नहीं है। त्योहारों के बाद पीओपी से निर्मित मूर्तियों का जलाशयों एवं अन्य जलस्त्रोतों में विसर्जन किया जाता है, जिससे जलस्त्रोतों में प्रदूषण बढ़ने की आशंका रहती है। उन्होंने कहा कि पीओपी की मूर्तियां पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से उचित नहीं हैं तथा विसर्जन के बाद जलस्त्रोतों में इनके अवशेष रह जाने से धार्मिक भावनाएं भी आहत होती हैं। यूथ इंडिया क्लब ने प्रशासन से मांग की कि आगामी पर्वों के दौरान मिट्टी एवं अन्य पर्यावरण-अनुकूल सामग्री से निर्मित इको-फ्रेंडली मूर्तियों के निर्माण और बिक्री को प्रोत्साहित किया जाए। साथ ही पीओपी की मूर्तियों की खरीदी-बिक्री पर प्रभावी निगरानी रखते हुए नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

प्रेम, सद्भाव और कर्म का संदेश देता है श्रीकृष्ण का जीवन- किरण वैष्णव

विचारपुर नवागांव में धूमधाम से मनाया गया कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव

छुरिया । भगवान कृष्ण के जन्मोत्सव का पावन पर्व कृष्ण जन्माष्टमी ग्राम विचारपुर नवागांव में बड़े ही हर्षोल्लास, श्रद्धा एवं भक्तिमय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव कार्यक्रम में जिला पंचायत राजनांदगांव की अध्यक्ष मती किरण रविन्द्र वैष्णव विशेष रूप से शामिल हुईं। उन्होंने भगवान कृष्ण की पूजा-अर्चना कर प्रदेश एवं क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की। साथ ही इस अवसर पर जिला पंचायत राजनांदगांव सभापति मती जागृति यदु, जिला भाजपा पूर्व महामंत्री रविन्द्र वैष्णव, फागु राम सिन्हा पूर्व मंडल अध्यक्ष डोंगरगांव, ग्राम पंचायत शिकारीमहका संरपंच प्रतिनिधि कुंदन बड़बोले, ईश्वर यादव, सुखराम यादव, प्रेमलाल यादव, अशोक यादव, हीरालाल यादव, चौहान यादव, दिनेश यादव, मोहन यादव, अनिल यादव, कांता यादव समेत समाज प्रमुख व ग्रामवासी उपस्थित रहे।कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर ग्रामवासियों एवं आयोजन समिति के सदस्यों द्वारा मती किरण रविन्द्र वैष्णव का आत्मीय स्वागत किया गया। जन्माष्टमी महोत्सव को लेकर पूरे गांव में उत्साह का माहौल रहा। मंदिर परिसर एवं कार्यक्रम स्थल को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। भगवान कृष्ण की बाल स्वरूप झांकी, भक्ति गीतों एवं धार्मिक आयोजनों ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। देर रात तक श्रद्धालुओं में भगवान कृष्ण के जन्मोत्सव को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला।इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष मती किरण रविन्द्र वैष्णव ने भगवान कृष्ण के चरणों में पूजा-अर्चना कर सभी के लिए मंगलकामना की।

नवाचारी शिक्षण, संस्कारयुक्त शिक्षा और सामाजिक सरोकारों के लिए लोक भवन में होंगे सम्मानित

बच्चों के प्रिय 'गुरुदेव' शिक्षक मोहन जंघेल को मिलेगा राज्यपाल पुरस्कार

छुईखदान । शिक्षक दिवस के अवसर पर शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला बाईकटोरी, संकुल झूरानदी, विकासखंड छुईखदान में पदस्थ शिक्षक मोहन जंघेल को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं नवाचारी कार्यों के लिए राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। आगामी 5 सितंबर 2026 को लोक भवन में आयोजित राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में राज्यपाल, मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री की गरिमामयी उपस्थिति में उन्हें यह सम्मान प्रदान किया जाएगा।

शिक्षक मोहन जंघेल ने अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए शिक्षा को केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि बच्चों के सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता दी। उनके उल्लेखनीय कार्यों में नवाचारी शिक्षण गतिविधियां, संस्कारयुक्त शिक्षा, स्मार्ट कक्षा, सामुदायिक सहभागिता, खेलकूद, योगासन, राष्ट्रीय कार्यक्रमों का आयोजन तथा शाला परिसर की सुरक्षा एवं स्वच्छता सहित विभिन्न शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियां शामिल हैं। इसके साथ ही वे ब्लॉक मुख्यालय में नि:शुल्क योग सेवा के माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य एवं योग के प्रति जागरूक करने का कार्य भी कर रहे हैं। वहीं नि:शुल्क नवोदय एवं प्रयास कोचिंग में सेवा देकर विद्यार्थियों के चयन में भी अपना योगदान दे रहे हैं।

बच्चों के लिए शिक्षक नहीं, 'प्रिय गुरुदेव' हैं मोहन जंघेल

शिक्षक मोहन जंघेल की सबसे बड़ी विशेषता बच्चों के प्रति उनका स्नेहपूर्ण, सहयोगात्मक और प्रेरणादायी व्यवहार है। वे विद्यार्थियों की पढ़ाई के साथ-साथ उनकी प्रतिभा, रुचि और व्यक्तित्व विकास पर भी विशेष ध्यान देते हैं। कठिन विषयों को सरल एवं रोचक तरीके से समझाने और प्रत्येक बच्चे को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने के कारण वे विद्यार्थियों के बीच 'प्रिय गुरुदेव' के रूप में विशेष पहचान रखते हैं। विद्यालय के बच्चे अपने शिक्षक मोहन जंघेल से सहजता से अपनी बातें साझा करते हैं। उनका मानना है कि शिक्षक केवल पढ़ाने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि बच्चों के जीवन को सही दिशा देने वाला मार्गदर्शक होता है।

भोलापुर शिकारी माहका रोड सड़क हादसे ने छुरिया क्षेत्र को झकझोरा, पूर्व सांसद-महापौर मधुसूदन यादव पहुंचे शोकाकुल परिवार के बीच

■ एक ही परिवार के तीन चिराग बुझने से गहिराभेड़ी में मातम

छुरिया । शिकारी माहका भोलापुर मार्ग पर 1 सितंबर की शाम हुए भीषण सड़क हादसे ने पूरे क्षेत्र को गहरे शोक में डुबो दिया है। एक ही परिवार के तीन संतानों की दर्दनाक मौत से ग्राम गहिराभेड़ी में मातम पसरा हुआ है। हादसे में स्कॉर्पियो में सवार एक बुजुर्ग की भी जान चली गई। इस हृदयविदारक घटना ने पूरे क्षेत्र को स्तब्ध कर दिया है। दुख की इस घड़ी में राजनांदगांव के पूर्व सांसद एवं महापौर मधुसूदन यादव गुरुवार को पीड़ित परिवार के बीच पहुंचे। यादव ने पहले घटनास्थल पहुंचकर दुर्घटना की वस्तुस्थिति देखी और घटना के संबंध में जानकारी ली। इसके बाद वे ग्राम गहिराभेड़ी पहुंचे और शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। इस अपूरणीय क्षति की भरपाई संभव नहीं : मधुसूदन यादव पीड़ित परिवार से मुलाकात के दौरान मधुसूदन यादव ने कहा कि एक ही परिवार के तीन बच्चों का इस तरह असमय दुनिया से चले जाना बेहद दुखद और हृदयविदारक है। माता-पिता के लिए इससे बड़ा दुख और क्या हो सकता है। इस अपूरणीय क्षति की भरपाई किसी भी सहायता से संभव नहीं है। इस कठिन समय में पूरा समाज और हम सभी पीड़ित परिवार के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि दुर्घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया है और सड़क पर वाहन चलाते समय सावधानी एवं यातायात नियमों का पालन बेहद जरूरी है। यादव ने दिवंगतों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से शोक संतप्त परिवार को इस कठिन परिस्थिति से उबरने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

तत्काल सहायता के रूप में दिए चेक पूर्व सांसद-महापौर मधुसूदन यादव ने पीड़ित परिवार को शासन की ओर से आरबीसी 6/4 के तहत तत्काल सहायता राशि उपलब्ध कराई। मृतक तीन भाई-बहनों के लिए 25-25 हजार रुपये के चेक प्रदान किए गए। वहीं दुर्घटना में जान गंवाने वाले बुजुर्ग कमल दास बंजारे के परिवार को भी 25 हजार रुपये की सहायता राशि का चेक प्रदान किया गया।

सिविल लाइन नहर पार में खुली दो फीट की नाली बनी जानलेवा, भैंस व वाहन फंसने की घटनाओं से बढ़ी चिंता

बलौदाबाजार । जिला मुख्यालय में नहर को नाली में तब्दील किए जाने को लेकर पूर्व में उठाए गए सवाल अब लोगों की सुरक्षा से जुड़ी गंभीर चिंता में बदलते नजर आ रहे हैं। शहर के वार्ड क्रमांक 20 स्थित सिविल लाइन नहर पार क्षेत्र में लगभग 10 फीट चौड़ी पुरानी नहर को संकीर्ण कर करीब दो फीट चौड़ी खुली नाली के स्वरूप में बना दिया गया है। अब यह खुली और संकरी संरचना राहगीरों, बच्चों, बुजुर्गों और वाहन चालकों के लिए दुर्घटना का कारण बनती जा रही है।

हाल ही में इस नाली में भैंस के फंसने तथा वाहन के फंसने की घटनाएं सामने आई हैं। नाली में गिरने वाले मवेशियों को बाहर निकालने में भी लोगों को काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब नहर को लाइनिंग के नाम पर इस तरह संकीर्ण किया गया है तो उसकी सुरक्षा के लिए आवश्यक इंतजाम क्यों नहीं किए गए।

पहले भी उठे थे सवाल

गौरतलब है कि जल संसाधन विभाग की 14 नंबर नहर की वितरक शाखा में लाइनिंग कार्य को लेकर पूर्व में भी सवाल उठ चुके हैं। सांवरा डेरा से कोकड़ी पुल तक करीब सात किलोमीटर नहर लाइनिंग का कार्य लगभग 355.11 लाख रुपए की लागत से कराया जा रहा है। बलौदाबाजार से कोकड़ी क्षेत्र के बीच पारंपरिक चौड़ी नहर के बजाय नालीनुमा संरचना बनाए जाने पर स्थानीय लोगों ने भूजल रिचार्ज, निर्माण गुणवत्ता और भविष्य में नहर की जमीन पर अतिक्रमण की आशंका जताई थी।

स्थानीय लोगों का कहना था कि पहले नहर से पानी छोड़े जाने पर आसपास के भूजल स्तर पर भी इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता था। नहर के संकीर्ण और पक्के स्ट्रक्चर में तब्दील होने के बाद यह लाभ प्रभावित होने की आशंका है। साथ ही नहर के दोनों ओर उपलब्ध शासकीय भूमि की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठाए गए थे।

अब सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल

पूर्व में विभाग की ओर से कहा गया था कि वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा और ड्राइंग-डिजाइन के अनुमोदन के बाद ही नालीनुमा संरचना तैयार की गई है। यह भी बताया गया था कि भविष्य में नगर पालिका द्वारा इसके ऊपर सड़क बनाए जाने की संभावना को ध्यान में रखा गया है। लेकिन वर्तमान में खुली नाली में मवेशियों और वाहन के फंसने की घटनाओं ने सुरक्षा व्यवस्था पर नया सवाल खड़ा कर दिया है।

जहाँ अन्याय हो, वहाँ चुप रहना भी उचित नहीं: जनपद अध्यक्ष संजय सिन्हा

छुरिया । छुरिया कोसरिया यादव समाज सर्किल दुर्रेबंज़ारी के तत्वावधान में कृष्ण जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संजय कुमार सिंहा अध्यक्ष जनपद पंचायत छुरिया वही अध्यक्षता लक्ष्मण यादव सर्किल अध्यक्ष व विशेष अतिथि के रूप में बिरम राम कुमार माण्डवी सदस्य जिला पंचायत, राजेश्वर ध्रुवे,नैनसिंह पटेल उपाध्यक्ष मंडल भाजपा छुरिया मौजूद रहे । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिन्हा ने कहा की श्रीकृष्ण का जन्म भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मथुरा की कारागार में हुआ था। उनके पिता वसुदेव और माता देवकी थीं। उस समय अत्याचारी कंस के आतंक से पूरा समाज भयभीत था। ऐसे कठिन समय में श्रीकृष्ण का जन्म अन्याय के विरुद्ध न्याय की आशा बनकर हुआ।भगवान श्रीकृष्ण ने अपने जीवन से हमें सिखाया कि परिस्थितियाँ चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, हमें सत्य और धर्म का रास्ता कभी नहीं छोड़ना चाहिए।

बिरम माण्डवी ने कहा कि जीवन का सबसे बड़ा संदेश कर्म है। भगवान श्रीकृष्ण ने श्रीमद्भगवद्गीता में अर्जुन को कर्म का संदेश देते हुए कहा कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।अर्थात हमारा अधिकार केवल कर्म करने पर है, उसके फल पर नहीं।इस कार्यक्रम में प्रतिभावान छात्र छात्राओं को सम्मानित भी किया गया । आज के युवाओं के लिए श्रीकृष्ण का यह संदेश बहुत महत्वपूर्ण है। हमें मेहनत करनी चाहिए, ईमानदारी से आगे बढ़ना चाहिए और असफलता से घबराना नहीं चाहिए।

कलेक्टर ने जन्मदिन पर स्कूली बच्चों को सांस्कृतिक कार्यक्रम को तैयार करने वाली हर्षिता कोठारी का किया सम्मान

बालोद । 2 सिंतबर को कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने प्राथमिक शाला के बच्चों के बीच जन्मदिवस ममाने वनांचल ग्राम नंगुटोला (फिरतुटोला) जिला बालोद में पहुंचे। स्वागत में स्कूली बच्चों को सांस्कृतिक कार्यक्रम के तैयार करने वाली हर्षिता कोठारी का सम्मान प्राथमिक शाला नंगुटोला द्वारा प्रसस्ती पत्र कलेक्टर महोदयाजी के कर कमलों से प्रदान कर किया गया। हर्षिता कोठारी छात्र जीवन विगत 12 वर्षों सांस्कृतिक गतिविधियों में स्कूल के बच्चों को लोक गीत नृत्य तैयार करवाती हैं। छत्तीसगढ़ के लोक सांस्कृतिक संस्था लोक सिरजन डौंडीलोहारा कि लोक गायिका प्रशिक्षण कार्य करते हुए छत्तीसगढ़ के अलावा महाराष्ट्र,ऊड़ीसा,मध्यप्रदेश जैसे स्थानों में लगभग 350 कार्यक्रमों प्रस्तुति दे चुकी है।

ग्राम झालाटोला में केबल वायर चोर दो नाबालिक पकड़ाए, ग्रामीणों ने पुलिस के हवाले किया

छुरिया । छुरिया थाना क्षेत्र के ग्राम झालाटोला में केबल वायर चोरी की वारदात में लिप्त दो नाबालिकों को ग्रामीणों ने पकड़कर पुलिस के हवाले किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरुवार 3 सितंबर को लगभग 3 बजे दिन मे झालाटोला - पाण्डेटोला घरसा मार्ग मे मोटर साइकिल से आ रहे दो युवक को संदेह के आधार पर मोटर साइकिल को रूकवाने का प्रयास किया । लेकिन गाड़ी रोकने के बजाय युवक द्वारा तेज गति से मोटर साइकिल को दौडा दिया । लगभग एक किलोमीटर दूर मोटर साइकिल मे पेट्रोल खत्म होने के बाद मोटर साइकिल को छोड़कर पास ही बाड़ी में छुप गया। ग्रामीणों द्वारा पूछताछ करने पर केबल वायर चोरी करना स्वीकार किया । तलाशी लेने पर दो सफेद बोरी में कटी हुई केबल वायार , केबल काटने का औजार एक हसिया और एक हथौड़ी भी बरामद हुए है।

पूर्व मे भी चोरी की घटना को दिया अंजाम।

नाबालिक युवकों ने इसके पूर्व भी शिकारीटोला मे वायर चोरी के घटना को अंजाम देते हुए पकड़ाने की बात स्वीकार किया ,साथ ही ग्राम झालाटोला, गहिराभेडी, पांडेटोला ,दतरेगाटोला ,जोशीलमती, आसरा, बापूटोला ,शिकारीटोला , लालबहादुर नगर गांव में भी केबल वायर चोरी करने की बात स्वीकार किया और चोरी के समान को भोलापुर के कबाड़ी व्यापारी लखन धनगावी के पास बेचना भी स्वीकार किया ।

एनटीपीसी कोरबा में बड़ा तकनीकी हादसा, 2600 मेगावाट की सातों इकाइयां एक साथ ट्रिप

कोरबा । कोरबा स्थित एनटीपीसी संयंत्र में शुक्रवार शाम बड़ा तकनीकी हादसा सामने आया। पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की तकनीकी टीम द्वारा सर्किट ब्रेकर की नियमित टेस्टिंग के दौरान अचानक गंभीर इलेक्ट्रिकल फॉल्ट हुआ। इसके बाद संयंत्र की 2600 मेगावाट क्षमता वाली सभी सात इकाइयां एक साथ ट्रिप हो गईं।

ब्रेकर टेस्टिंग के दौरान आया फॉल्ट

जानकारी के अनुसार, शुक्रवार शाम स्विच यार्ड के एक बे में सर्किट ब्रेकर की रूटीन टेस्टिंग चल रही थी। इसी दौरान अचानक इलेक्ट्रिकल फॉल्ट उत्पन्न हो गया। सुरक्षा प्रणाली सक्रिय होने के बाद प्रोटेक्शन रिले से ट्रिप कमांड जारी हुआ और सिस्टम का संपर्क डिस्कनेक्ट हो गया। इसके चलते संयंत्र की सभी सात यूनिटें बंद हो गईं।

2600 मेगावाट उत्पादन पर लगा ब्रेक

एनटीपीसी कोरबा में 500-500 मेगावाट क्षमता की चार और 200-200 मेगावाट क्षमता की तीन इकाइयां संचालित होती हैं। सातों इकाइयों की कुल उत्पादन क्षमता 2600 मेगावाट है। एक साथ सभी यूनिट ट्रिप होने से संयंत्र का विद्युत उत्पादन अचानक शून्य हो गया।

घटना के बाद एनटीपीसी के अधिकारी और तकनीकी इंजीनियर तत्काल सक्रिय हुए। फॉल्ट की वजह का पता लगाने के साथ ही इकाइयों को दोबारा चालू करने और ग्रिड से सिंक्रोनाइज करने की प्रक्रिया शुरू की गई।

क्षेत्रीय बिजली व्यवस्था पर बढ़ी निगरानी

एनटीपीसी कोरबा से उत्पादित बिजली छत्तीसगढ़ के अलावा पश्चिमी और मध्य भारत की बिजली व्यवस्था में भी जाती है। ऐसे में इतने बड़े उत्पादन स्रोत के अचानक बंद होने के बाद क्षेत्रीय ग्रिड की स्थिरता को लेकर निगरानी बढ़ाई गई।

हालांकि, संयंत्र प्रबंधन के अनुसार उपभोक्ताओं तक जाने वाली बिजली आपूर्ति को वैकल्पिक ग्रिड व्यवस्था के जरिए नियंत्रित रखा गया है और छत्तीसगढ़ में बिजली आपूर्ति सामान्य बताई गई है।

सातों यूनिटों को दोबारा शुरू करने की कवायद

तकनीकी टीमें अब एक-एक कर सभी सात इकाइयों को सिस्टम से जोड़ने और उत्पादन बहाल करने में जुटी हैं। अधिकारियों के अनुसार, प्राथमिकता के आधार पर यूनिटों को सिंक्रोनाइज किया जा रहा है। देर रात तक अधिकांश इकाइयों से दोबारा उत्पादन शुरू होने की उम्मीद जताई गई है।

फिलहाल तकनीकी फॉल्ट के वास्तविक कारण और इसकी पूरी जांच रिपोर्ट का इंतजार है।

दो-दो हजार रुपए की किस्तों को जोड़कर जुटाई पूंजी, गौ-पालन से प्रतिदिन बेच रहे लगभग 100 लीटर दूध

रायगढ़ । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से संचालित प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना कई किसानों के लिए नई संभावनाओं का आधार बन रही है। ग्राम पंचायत महापल्ली के 75 वर्षीय किसान परशुराम गुप्ता ने भी योजना के तहत प्राप्त राशि को केवल दैनिक जरूरतों में खर्च करने के बजाय बचत कर गौ-पालन की शुरुआत की और आज वे सफलतापूर्वक अपना व्यवसाय संचालित कर रहे हैं। परशुराम गुप्ता ने वर्ष 2020 में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत मिलने वाली दो-दो हजार रुपए की किस्तों को बचाकर लगभग 10 हजार रुपए की पूंजी जुटाई। इसी राशि से उन्होंने पहली गाय खरीदी और गौ-पालन की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने धीरे-धीरे अपनी आय और संसाधनों को बढ़ाते हुए एक-एक कर गायों की संख्या में वृद्धि की। आज उनके पास 10 गाय हैं और वे नियमित रूप से दूध उत्पादन कर रहे हैं। वर्तमान में गुप्ता प्रतिदिन लगभग 100 लीटर दूध बेचते हैं। वे दूध को स्थानीय डेयरी में 40 रुपए प्रति लीटर की दर से विक्रय करते हैं। इससे उनके गौ-पालन व्यवसाय का मासिक कारोबार लगभग 1 लाख 20 हजार रुपए तक पहुंच रहा है। खर्च निकालने के बाद होने वाली आय ने उनके परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 75 वर्ष की आयु में भी परशुराम गुप्ता पूरी लगन के साथ गौ-सेवा और गौ-पालन से जुड़े हुए हैं। वे बताते हैं कि बचपन से ही उन्हें पशुपालन का शौक था और गायों की सेवा उनके जीवन का अभिन्न हिस्सा रही है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से प्राप्त राशि ने उन्हें अपने इस अनुभव और रुचि को आय के बेहतर माध्यम में बदलने की प्रारंभिक पूंजी उपलब्ध कराई। गुप्ता कहते है कि शासकीय योजनाओं से मिलने वाली छोटी-छोटी आर्थिक सहायता का योजनाबद्ध उपयोग कर ग्रामीण क्षेत्र के किसान आत्मनिर्भरता की दिशा मंब मजबूत कदम बढ़ा सकते हैं।

हल षष्ठी पर जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक में भगवान बलराम की पूजा

दुर्ग। भगवान बलराम की जयंती एवं हलषष्ठी के शुभ अवसर पर जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित दुर्ग के प्रधान कार्यालय परिसर में किसानों के आराध्य देवता भगवान बलराम की प्रतिमा की विधि-विधान से प्रीतपाल बेलचंदन अध्यक्ष जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या.दुर्ग की उपस्थिति में पूजा अर्चना की गई। इस अवसर पर उपस्थित सहकारी जन प्रतिनिधियों द्वारा किसानों, श्रमिकों और अन्नदाताओं की सुख समृद्धि एवं खुशहाली की साथ ही देश और प्रदेश में किसानों की मेहनत सफल हो तथा कृषि उत्पादन में निरंतर वृद्धि होने की कामना की। इस अवसर पर एस.के.वर्मा मुख्य कार्यपालन अधिकारी, सहकारिता के जनप्रतिनिधि रमाकांत द्विवेदी, लेखूदास, राजेन्द्र यादव, अजय तिवारी, योगेन्द्र धर दिल्लीवार, बैंक अधिकारी हृदेश शर्मा, कुसुम ठाकुर, के.के.नायक, रोहित वर्मा, धीरेन्द्र देवांगन, एस.पी.वाहने, सहित बैंक के प्रधान कार्यालय एवं शाखा दुर्ग के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे।

अंशकालीन स्कूल सफाई कर्मचारी के साथ निभा रहे शिक्षक, पर्यावरण और खेल से जुड़ी सामाजिक जिम्मेदारियां

दिव्यांगता को चुनौती देकर 20 वर्षों से शिक्षा की अलख जगा रहे रुपेश सोनकर

बालोद । शासकीय बुनियादी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बालोद (पाररास) में अंशकालीन स्कूल सफाई कर्मचारी के रूप में कार्यरत रूपेश कुमार सोनकर पिछले करीब 20 वर्षों से नि:स्वार्थ भाव से विद्यार्थियों को निशुल्क शिक्षा देकर समाज में अलग पहचान बना रहे हैं। स्वयं दिव्यांग होने के बावजूद उन्होंने अपनी परिस्थितियों को बाधा नहीं बनने दिया और पढ़ाई में कमजोर, कक्षा 10वीं-12वीं में असफल अथवा पढ़ाई छोड़ चुके विद्यार्थियों को ओपन कक्षाओं के माध्यम से निशुल्क ट्यूशन देकर आगे पढ़ने के लिए प्रेरित किया। उनके मार्गदर्शन से कई विद्यार्थी परीक्षा में सफल होकर आगे की शिक्षा जारी रख सके हैं। शिक्षा के साथ रूपेश सोनकर पर्यावरण संरक्षण और खेल गतिविधियों में भी सक्रिय हैं। विद्यार्थियों के जन्मदिन पर पौधे, फाइल, कॉपी और पेन का निशुल्क वितरण कर वे शिक्षा एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता का संदेश देते हैं। कक्षा 6वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों, विशेषकर बालिकाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में भी उनकी पहल उल्लेखनीय है। खेल के क्षेत्र में उन्होंने जिला एवं राज्य स्तर पर उपलब्धियां हासिल की हैं। सोनकर समाज की महासभा राजिम की ओर से उन्हें रजत पदक एवं प्रमाण-पत्र भी प्राप्त हुआ है। एक स्कूल सफाई कर्मचारी के रूप में कार्य करते हुए शिक्षा, पर्यावरण और खेल के क्षेत्र में लगातार योगदान देना रूपेश सोनकर की कर्मठता और सेवा भावना को दर्शाता है।

शिक्षक दिवस पर इनको कई सम्मान प्राप्त हुए हैं

सन 2016 में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बालोद के छात्र छात्राओं ने श्रीफल देकर सम्मानित किया है

सन 2019 में ओमन भारद्वाज द्वारा पेन और डायरी देकर सम्मानित किया ।

सन 2023 में विद्या मेंश्राम जी ने छत्तीसगढ़ की छाया चित्र देकर सम्मानित किया है

जवाहर प ।र। की संध्या उइके ने कहा

रूपेश सोनकर सर जी क। पढ़ ।ने का तरीका बहुत अच्छा है जो पढ़ ।ते हैं बहुत अच्छे से समझ में आता है मैं कक्षा आठवीं में पूरक आ गई थी सर जो के निशुल्क ट्यूशन पढ़ ।ने से मैं उत्तीर्ण हुई ।

बम्लेश्वरी धाम के मुख्य मार्ग को सजाने की पहल, सभापति सुमित ताम्रकार ने PWD को लिखा पत्र

डोंगरगढ़ । नगर पालिका परिषद् के राजस्व एवं बाजार विभाग के सभापति व शिवाजी वार्ड नं. 23 के पार्षद सुमित कुमार ताम्रकार ने शासन को पत्र लिखकर अवगत कराया है। उन्होंने अनुविभागीय अधिकारी , डोंगरगढ़ को पत्र क्रमांक 207 दिनांक 25.07.2026 के माध्यम से बताया कि नया जनपद पंचायत से नया रेस्ट हाउस तक का मुख्य मार्ग पूरी तरह जर्जर हो चुका है। पार्षद ने पत्र में उल्लेख किया कि माँ बम्लेश्वरी धाम पूरे देश में प्रसिद्ध है, यहाँ साल में दो बार भव्य नवरात्रि मेला लगता है, जिसमें देश-प्रदेश के बड़े नेता, मंत्री, विधायक और अधिकारी आते हैं और इसी वार्ड के विश्राम गृहों में ठहरते हैं। ऐसे में अतिथियों के सामने शहर की छवि खराब हो रही है।

पार्षद की प्रमुख मांगें:

1. जर्जर सड़क का नवनिर्माण 2. सड़क के दोनों ओर इंटरलॉकिंग कार्य 3. दोनों ओर हरी-भरी फुलवारी और वृक्षारोपण पार्षद ताम्रकार ने कहा कि यदि मार्ग को फुलवारी से सुसज्जित किया जाता है तो सुगम और सुंदर मार्ग मिलेगा और डोंगरगढ़ की सुंदरता में चार चांद लगेंगे।

65 वाहनों पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई

न्यायालय में पेश करने के लिए चालानी कार्रवाई

जांजगीर-चांपा । नगर में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ अकलतरा पुलिस ने सख्त कार्रवाई की। शास्त्री चौक से रेलवे स्टेशन एवं डाकघर के बीच सड़क पर लापरवाहीपूर्वक वाहन खड़ा कर यातायात प्रभावित करने तथा तीन सवारी और नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने के मामलों में पुलिस ने कुल 65 वाहनों के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार, नगर के प्रमुख मार्गों पर वाहन चालकों द्वारा सड़क पर बेतरतीब तरीके से वाहन खड़े किए जाने से यातायात प्रभावित हो रहा था। इसके अलावा तीन सवारी बैठाकर वाहन चलाने और नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने की शिकायतों को भी गंभीरता से लिया गया। इसी के मद्देनजर अकलतरा पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर कार्रवाई की ।यह कार्रवाई न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अकलतरा में आयोजित लोक अदालत के परिप्रेक्ष्य में की गई। पुलिस द्वारा 65 वाहनों के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत चालानी कार्रवाई करते हुए संबंधित प्रकरणों को माननीय न्यायालय में पेश करने के लिए प्रक्रिया पूरी की गई।

नियमों का पालन करने की अपील

पुलिस ने वाहन चालकों से सड़क पर वाहन खड़ा करते समय यातायात व्यवस्था का ध्यान रखने, दोपहिया वाहनों पर तीन सवारी न बैठाने तथा नाबालिगों को वाहन न देने की अपील की है।

स्वच्छता की दिशा में रायगढ़ की बड़ी पहल: 2,495 ग्रामीण परिवारों के घरों में बनेंगे शौचालय

रायगढ़ । ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता सुविधाओं के विस्तार तथा प्रत्येक पात्र परिवार को सुरक्षित एवं सम्मानजनक शौचालय सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में रायगढ़ जिले ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के निर्देशन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत श्री अभिजीत बबन पठारे के मार्गदर्शन में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अंतर्गत जिले के 2,495 पात्र ग्रामीण परिवारों के घरों में व्यक्तिगत घरेलू शौचालय (आईएचएचएल) निर्माण के लिए 299.40 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। योजना के तहत जनपद पंचायत तमनार के 394, खरसिया के 357, घरघोड़ा के 45, पुसौर के 748 तथा धरमजयगढ़ के 951 परिवारों को व्यक्तिगत घरेलू शौचालय निर्माण का लाभ मिलेगा। इस प्रकार जिले के कुल 2,495 पात्र परिवारों को योजना से लाभान्वित किया जाएगा। इससे ग्रामीण परिवारों को घर पर ही सुरक्षित एवं स्वच्छ शौचालय की सुविधा उपलब्ध होगी तथा खुले में शौच की प्रवृत्ति को समाप्त करने के प्रयासों को और मजबूती मिलेगी। स्वीकृत हितग्राहियों के घरों में शौचालय निर्माण कार्य निर्धारित मापदंडों एवं गुणवत्ता मानकों के अनुरूप कराया जाएगा। निर्माण कार्य पूर्ण होने के पश्चात शौचालयों की जियो-टैगिंग एवं आवश्यक सत्यापन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। सत्यापन उपरांत नियमानुसार पात्र हितग्राहियों के बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से प्रोत्साहन राशि का भुगतान किया जाएगा। कलेक्टर ने जिले में स्वच्छता संबंधी योजनाओं के प्रभावी, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया है।

हसदेव नदी का जल स्तर बढ़ने से लोगो की बढ़ी चिंता

चांपा। नगर के प्रसिद्ध हसदेव नदी का जल स्तर इन दिनों इतनी ज्यादा बढ़ती जा रही हैं जिससे निचले क्षेत्रों में निवासित लोगो की परेशानिया बढ़ती जा रही हैं।जिससे बाढ़ की स्थिति निर्मित हो रही हैं। ऊपरी क्षेत्र में हो रही लगातार मूसलाधार बारिश से हसदेव नदी का जल स्तर बढ़ता ही जा रहा हैं जिससे बाढ़ की स्थिति बनती जा रही हैं। मूसलाधार बारिश से पूरे क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश से सभी नदी नाले उफान पर आ गई हैं। एनीगेट से भी पानी ऊपर से बहने की स्थिति में पूरा आवागमन बाधित हो गई हैं।बाढ़ की स्थिति को देखते हुए नगर पालिका प्रशासन द्वारा लगातार निचले क्षेत्र में निवासित लोगो को सूचना के जरिए यलो अलर्ट किया जा रहा हैं।और सभी निचले क्षेत्रों में निवासित लोगो को अवगत कराया जा रहा हैं कि उक्त स्थान या घर को छोड़ प्रशासन द्वारा सुरक्षित रूप से स्थापित भवनों एवं सुरक्षित स्थान को सुनिश्चित करें ताकि बाढ़ से होने वाले परेशानीयो से निजात पा सकें।और पूरे क्षेत्र के लोग सम्पूर्ण रूप से सुरक्षित रहे। एनीगेट से लगभग तीन से चार फिट उप्पर से बह रहा पानी नगर के मोदी चौक स्थित एनीकेट जो कि मड़वा, लच्छनपुर,गढ़, केराझरिया, और चांपा बस्ती को जोड़ने वाली मुख्य एनीकेट के ऊपर से पानी 3 से 4 फिट उप्पर से बहने की स्थिति में आवाजाही पूरी तरह से बाधित हो चुकी हैं। जिससे लोग चांपा शहर और बस्ती आवाजाही के लिए गेमन पुल का उपयोग कर रहे हैं।

दुर्ग, बालोद एवं बेमेतरा जिले के 10 लाख 09 हजार से अधिक कनेक्शनों का होगा सत्यापन

विद्युत उपभोक्ताओं के लिए ई-केवाईसी प्रक्रिया प्रारंभ

बालोद । छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड द्वारा विद्युत उपभोक्ताओं के कनेक्शनों एवं उनके रिकॉर्ड को अधिक प्रमाणिक, अद्यतन और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। विद्युत रीजन दुर्ग के अंतर्गत दुर्ग, बालोद एवं बेमेतरा जिले कें लगभग 10 लाख 09 हजार 521 निम्नदाब उपभोक्ताओं को ई-केवाईसी कराया जाएगा। जिसकी शुरुआत 01 सितंबर 2026 से हो चुकी है। यह प्रक्रिया उपभोक्ता डेटाबेस को सटीक बनाने और यह सुनिश्चित करने में मदद करेगी कि कनेक्शन का उपयोग करने वाला व्यक्ति वास्तविक एवं वैध है। ई-केवाईसी के माध्यम से विद्युत कनेक्शन से संबंधित उपभोक्ता की पहचान का सत्यापन किया जाएगा। इससे यह सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी कि विद्युत कनेक्शन जिस व्यक्ति के नाम पर दर्ज है, वह वास्तविक एवं वैध उपभोक्ता है तथा वर्तमान में कनेक्शन का उपयोग कौन कर रहा है। इस प्रक्रिया से विद्युत कंपनी को अपने उपभोक्ता रिकॉर्ड को व्यवस्थित एवं अद्यतन करने के साथ वास्तविक उपभोक्ताओं का प्रमाणिक डेटाबेस तैयार करने में मदद मिलेगी।

उपभोक्ताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ई-केवाईसी के लिए तीन आसान विकल्प उपलब्ध कराए गए हैं। उपभोक्ता 'मोर बिजली मोबाइल ऐप' के माध्यम से स्वयं ऑनलाइन ई-केवाईसी कर सकते हैं। इसके अलावा नजदीकी वितरण केंद्र अथवा जोन कार्यालय में उपस्थित होकर अधिकृत कर्मचारियों के माध्यम से ई-केवाईसी कराया जा सकता है। ई-केवाईसी के दौरान उपभोक्ता की पहचान का सत्यापन आधार ऑथेंटिकेशन के माध्यम से ओटीपी, फिंगरप्रिंट अथवा फेस ऑथेंटिकेशन से किया जा सकेगा। यदि किसी उपभोक्ता का नाम विद्युत कनेक्शन एवं आधार कार्ड में अलग है, तो पहले विद्युत कनेक्शन में नाम सुधार करना होगा, जिसके लिए केवल नाम में त्रुटि होने पर कोई प्रोसेसिंग शुल्क नहीं लिया जाएगा, जबकि मालिकाना हक में परिवर्तन होने पर नियमानुसार शुल्क और दस्तावेज देने होंगे।

विद्युत कंपनी ने स्पष्ट किया है कि ई-केवाईसी की पूरी प्रक्रिया नि:शुल्क है और इसके लिए उपभोक्ता से किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाएगा। उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि ई-केवाईसी के नाम पर किसी अनधिकृत व्यक्ति को राशि न दें। उपभोक्ता केवल अधिकृत माध्यमों से ही ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी करें और किसी संदिग्ध लिंक या अनधिकृत ऑनलाइन माध्यम का उपयोग न करें।

ई-केवाईसी केवल पहचान सत्यापन की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह विद्युत कंपनी के उपभोक्ता डेटाबेस को सटीक, प्रमाणिक एवं अद्यतन बनाने की महत्वपूर्ण पहल है। इससे वैध उपभोक्ताओं की पहचान सुनिश्चित होने के साथ-साथ मृत उपभोक्ताओं के नाम पर दर्ज कनेक्शनों, अनधिकृत उपयोग और अवैध विद्युत कनेक्शनों की पहचान करने में भी सहायता मिलेगी।

डोंगरगढ़ में चार मंडलों की संगठनात्मक बैठक संपन्न, शक्ति केंद्र एवं बूथ स्तर के कार्यक्रमों की हुई समीक्षा

भाजपा संगठन की मजबूती का आधार बूथ स्तर का कार्यकर्ता : जगन्नाथ पाणिग्राही

डोंगरगढ़ । 4 सितम्बर भारतीय जनता पार्टी की संगठनात्मक बैठक डोंगरगढ़ में संपन्न हुई। बैठक में डोंगरगढ़ शहर एवं ग्रामीण मंडल, घुमका एवं तिलई मंडल के मंडल प्रभारी, सह - प्रभारी, अध्यक्ष एवं महामंत्री सहित संगठन के प्रमुख पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक मे मार्गदर्शन संभाग प्रभारी जगन्नाथ पाणिग्राही ने किया। कोमल सिंह राजपूत की अध्यक्षता मे बैठक आहूत की गई ।इस अवसर पर प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष रामजी भारती,जिला भाजपा अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत, जिला संगठन प्रभारी जितेन्द्र वर्मा, डोंगरगढ मंडल प्रभारी जितेन्द्र साहू, मार्कफेड के अध्यक्ष शशिकांत द्विवेदी, विनोद खांडेकर,जिला महामंत्री सौरभ कोठारी,डीकेश साहू डोंगरगढ़ मंडल के सहप्रभारी किशुन यदु, तिलई मंडल प्रभारी रवि सिन्हा, घुमका मंडल प्रभारी अमर लालवानी उपस्थित थे। बैठक में शक्ति केंद्र एवं बूथ स्तर पर पार्टी द्वारा संचालित विभिन्न संगठनात्मक कार्यक्रमों की जानकारी ली गई। मंडलवार कार्यों की समीक्षा करते हुए बूथों को और अधिक सक्रिय एवं सशक्त बनाने, कार्यकर्ताओं के बीच निरंतर संवाद बनाए रखने तथा संगठन के आगामी कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। संभाग प्रभारी जगन्नाथ पाणिग्राही ने कहा, भाजपा की असली ताकत उसका बूथ स्तर का कार्यकर्ता है। जब बूथ मजबूत होगा, तभी संगठन और अधिक मजबूत होगा।

जब टीचर खुद एक सबक बन गए

किसी स्कूली छात्र से पूछिए कि उसे कैसा लगता है, जब उसका नाम पब्लिक एड्रेस (पीए) सिस्टम पर लिया जाता है और उसे ऑफिस में बुलाया जाता है। उन चंद मिनटों में उसकी धड़कन को मापें। यकीन मानिए, कार का स्पीडोमीटर भी उसकी रफ्तार नहीं माप सकता।

जब मैं स्कूल में था, तब पीए सिस्टम नहीं होते थे। एक प्यून क्लासरूम के दरवाजे पर आकर जोर से कहता, 'मैडम, प्रिंसिपल सर रघु को बुला रहे हैं।' इतना ही काफी था। जैसे ही पूरी क्लास ने नाम सुना, अलग-अलग ग्रुप अपनी-अपनी थ्योरी बनाने लगते।

कोई नहीं सोचता कि रघु की धड़कन किस रफ्तार से चल रही होगी। अलग-अलग टीचर अलग-अलग तरीके से रिएक्ट करते। कोई पूछता, 'क्या हुआ रघु? तुमने ऐसा क्या किया कि प्रिंसिपल बुला रहे हैं?' ये शब्द ही धड़कन को हर स्पीड लिमिट के पार पहुंचा सकते थे। फिर हमारी एक ललिता टीचर थीं, जो हिस्ट्री पढ़ाती थीं।

वह बस प्यून से कहतीं कि 'मैं इसे दो मिनट में भेज दूंगी।' प्यून के जाते ही वह रघु को बुलाकर कहतीं कि 'ऑफिस जाओ और कुछ चॉक ले आओ। वहां यह भी पता कर लेना कि तुम्हें क्यों बुलाया है।' चूंकि एक टास्क पूरा करना होता था तो धड़कन थोड़ी मंद पड़ जाती।

ललिता टीचर से मैंने सीखा कि किसी को सहज करके तूफान का सामना करने के लिए कैसे तैयार किया जाए, अगर वाकई कोई तूफान हो तो। फिर एक दिन प्रिंसिपल नागराजन खुद हमारी क्लास में आए। हम डर के मारे खड़े हो गए। वह चुपचाप क्लास में घूमे और एक लड़के को छोड़कर सभी से बात की, जिसका नाम मैं यहां नहीं बताना चाहूंगा।

वे उस लड़के के कंधे पर हाथ रख कर बोले कि 'मेरे साथ चलो' और कंधे पर हाथ टिकाए ही बाहर निकल गए। क्लास में सभी की आंखों में हैरानी थी। वह क्लास के सबसे मेधावी और अच्छे व्यवहार वाले छात्रों में से एक था। वह कभी ऐसा लड़का नहीं रहा, जिसे प्रिंसिपल रूम में बुलाया जाता हो।

हम तुरंत फुसफुसाने लगे कि उसने ऐसा क्या कर दिया होगा कि प्रिंसिपल खुद उसे लेने आए। बहुत बाद में हमें पता चला कि सिर्फ 30 मिनट पहले उस लड़के ने अपने एक परिजन को खो दिया था और उसके परिवार से कोई उसे घर ले जाने आया था। नागराजन सर से मैंने सीखा कि अथॉरिटी तभी मायने रखती है, जब उसके साथ संवेदना हो। फिर एक पंडित सर थे, जो हमें तमिल पढ़ाते थे।

वह हमेशा सफेद शर्ट और ट्राउजर पहनते थे। जिन पांच साल में मैं उन्हें जानता था, उनमें उन्होंने अपने कपड़ों का रंग कभी नहीं बदला। एक दिन कुछ छात्रों ने पंडित सर को मेन रोड पर अपने आगे चलते देखा। उनमें से एक ने चुपके से उनकी पीठ पर स्याही छिड़की और गायब हो गया।

अगले दिन पंडित सर ने उन्हें अपनी डेस्क के पास बुलाया। उन्होंने पूरी क्लास से कहा कि 'मैं जानता हूं कि कल मेरी शर्ट पर किसने स्याही छिड़की थी। लेकिन मैं तुम्हें महान तमिल कवि तिरुवल्लुवर का एक दोहा सुनाता हूं।' उन्होंने समझाया कि जो व्यक्ति आपके साथ बुरा करता है, उसके साथ अच्छाई से पेश आना ही उसके लिए सबसे अच्छी सजा है। इससे उसे अपनी गलती का एहसास होता है और आप बदला लेने के वजन से मुक्त हो जाते हो। पंडित सर से मैंने क्षमाशीलता की ताकत सीखी।

फंडा यह है कि कुछ शिक्षक अपने आप में ही संस्थान होते हैं। इन तीनों शिक्षकों में से आज कोई जीवित नहीं है। लेकिन इतने वर्षों बाद भी उन्हें याद किया जाता है- सिर्फ इसलिए नहीं कि उन्होंने हमें सब्जेक्ट पढ़ाए, बल्कि इसलिए कि उन्होंने अपने कामों के जरिए हमें सिखाया कि बेहतर इंसान कैसे बना जाए।

अधीर युवा मन श्रीकृष्ण से सीखे संतुलन का पाठ

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

अपने जादुई आकर्षण और सुरीली बांसुरी से सबका मन मोह लेने वाले, मोर मुकुटधारी, माखन चोर और जब बात हो धर्म और न्याय की तो कुरुक्षेत्र के युद्ध में धर्म की विजय करने के लिए अर्जुन का सारथी बनने वाले, वो हैं कृष्ण। एक तरफ असीम प्रेम समर्पण, माधुर्य और वात्सल्य और दूसरी तरफ धर्म, नैतिकता और न्याय, कृष्ण का जीवन यही दर्शाता है कि समय के अनुसार अपनी भूमिका में बदलाव करके उच्च जीवन के आदर्श स्थापित किए जा सकते हैं।

आज जन्माष्टमी है, कृष्ण का आविर्भाव दिवस, लगभग 5253 वर्ष पहले उन्होंने अपने अवतरण से ऐसे उदाहरण प्रस्तुत किए, जो आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने उस समय थे। कुरुक्षेत्र में जैसे अर्जुन ने उनके आदेश का पालन करके युद्ध में विजय प्राप्त की। ठीक वैसे ही हमारी युवा पीढ़ी भी कृष्ण को आदर्श बनाकर अपने जीवन को सही दिशा दे सकती है और मुश्किलों पर विजय प्राप्त कर सकती है। बचपन से लेकर युवावस्था तक उन्होंने ऐसा आचरण किया जो आदर्श बन गया।

श्रीकृष्ण सबसे बड़े 'मैनेजमेंट गुरु' हैं। उन्होंने हमेशा व्यावहारिक आचरण किया। जीवन के हर मोर्चे पर अपने व्यावहारिक ज्ञान का परिचय दिया। युवाओं को जीवन में व्यावहारिकता की बात स्वीकार करनी चाहिए और परिस्थितियों के अनुसार अपने आप को ढालना चाहिए। तभी सफलता के द्वार खुल सकते हैं। युवा भी अपने जीवन में अति भावुकता के बजाय व्यावहारिकता को प्राथमिकता दें तो वे ज्यादा मजबूती से जीवन की हर कठिनाई से जूझ सकते हैं। कुरुक्षेत्र के युद्ध में कृष्ण ने अर्जुन के गुरु की उपाधि ग्रहण की। उन्होंने अपने ज्ञान और अनुभवों से अर्जुन की अज्ञानता को दूर किया। युवा पीढ़ी भी अपने अनुभवों से कुछ न कुछ सीखने का प्रयत्न करे। क्योंकि हर अनुभव कुछ सिखाता है अपनी विफलताओं से निराश न होकर उनसे अपनी सफलताओं की सीढ़ी तैयार करें। कहते हैं मनुष्य की मति ही उसके जीवन की गति तय करती है। आज की युवा पीढ़ी अध्ययन और कॅरियर के दबाव के चलते बहुत जल्दी तनावग्रस्त हो जाती है, अगर युवा अपने जीवन में धैर्य के साथ आध्यात्मिकता को शामिल करें तो उनके आगे बढने् का मार्ग अपने आप प्रशस्त हो जाएगा। भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन की हर दुविधा का समाधान किया है। युवा भी गीता से प्रेरणा लेकर अपने जीवन के मुश्किल सवालों को हल कर सकते हैं। पूरे दिन में से थोड़ा-सा समय ईश्वर से जुडने् के लिए भी निकालें।

एआई सीखने की जगह नहीं लेगा, पर उसका तरीका जरूर बदलेगा

जेन-जी और जेन-अल्फा ऐसी शैक्षणिक दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं, जो पिछली पीढ़ियों से बिल्कुल अलग है। इनके पास इंटरनेट, डिजिटल प्लेटफॉर्म, स्मार्टफोन, एआई तक अभूतपूर्व पहुंच है। आज एक छात्र दुनिया के बेहतरीन संसाधनों से सीख सकता है, एआई को लर्निंग असिस्टेंट की तरह इस्तेमाल कर सकता है, जटिल प्रणालियों का सिमुलेशन कर सकता है, बड़े डेटासेट का विश्लेषण कर सकता है और दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में बैठे लोगों से सहयोग कर सकता है।

लेकिन जानकारी तक पहुंच को ज्ञान और एआई तक पहुंच को बुद्धिमत्ता नहीं समझना चाहिए। आज की शिक्षा के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि छात्र सिर्फ जानकारी और जवाब हासिल करना न सीखें, बल्कि आलोचनात्मक ढंग से सोचें, सही सवाल पूछें, तर्क करें, रचनात्मक तरीके से काम करें और अपने फैसलों की जिम्मेदारी भी लें। शिक्षा व्यवस्था को अब सूचना-केंद्रित मॉडल से दक्षता, जिज्ञासा और प्रॉब्लम-सॉल्विंग-सेंट्रिक मॉडल की ओर बढ़ना होगा।

एआई शिक्षा में सीखने की जगह तो नहीं लेगा, लेकिन उसे बढ़ाने वाला माध्यम जरूर बनेगा। छात्र इसका इस्तेमाल जानकारी पाने, वैकल्पिक व्याख्याएं समझने, तत्काल फीडबैक लेने और अलग-अलग परिस्थितियों का सिमुलेशन करने के लिए कर सकते हैं। लेकिन जरूरी है कि उनकी बुनियादी समझ इतनी मजबूत हो कि वे एआई के जवाब पर सवाल उठा सकें, उसकी गलती पहचान सकें और जानकारी को वेरिफाई कर सकें।

सबसे विकसित एआई मॉडल भी गलती कर सकते हैं, इसलिए छात्रों को एआई के जवाब को आंख मूंदकर स्वीकार करने की बजाय उसे परखने और तकनीक का जिम्मेदारी से इस्तेमाल करने की क्षमता विकसित करनी होगी। लक्ष्य सिर्फ एआई यूजर नहीं, बल्कि स्किल्ड, इनोवेटिव और जिम्मेदार मनुष्य तैयार करना होना चाहिए। जब जानकारी हर जगह उपलब्ध है तो शिक्षक को भी अपनी भूमिका बदलनी होगी। टीचर अब सिर्फ जानकारी पहुंचाने वाला व्यक्ति नहीं हो सकता। उसे मेंटर, फैसिलिटेटर, चिंतक और मार्गदर्शक की भूमिका निभानी होगी। छात्रों को यह समझने में मार्गदर्शन देना होगा कि कौन-सी जानकारी विश्वसनीय है, ज्ञान कैसे निर्मित होता है और उसे मानवता के लिए सार्थक समाधान में कैसे बदला जा सकता है।

जेन-जी और जेन-अल्फा के डिजिटल रूप से सक्षम होने का मतलब यह नहीं है कि उन्हें अनुशासन की कम जरूरत है। बल्कि उन्हें अलग तरह के अनुशासन की जरूरत है। उन्हें अपना ध्यान नियंत्रित करना, तकनीक का जिम्मेदारी से इस्तेमाल करना, लगातार काम करना, नैतिक फैसले लेना और अपने काम के परिणामों के प्रति जवाबदेह रहना सीखना होगा।

अब शिक्षक-छात्र सम्बंध भी शिक्षा के केंद्र में रहेंगे और एआई के दौर में इसकी भूमिका और महत्वपूर्ण होगी। शिक्षा में तकनीक को मानवीय पक्ष का विकल्प नहीं, बल्कि उसका सहायक बनाना होगा। मौजूदा शिक्षा व्यवस्था की बुनियाद आज भी प्रासंगिक है।

बदलाव का मतलब पुराने सिस्टम को खत्म करना नहीं, बल्कि उसे अगले चरण तक ले जाना है। गणित, विज्ञान, इंजीनियरिंग, ह्यूमैनिटीज, कम्युनिकेशन, नैतिकता और आलोचनात्मक-चिंतन जैसे बुनियादी विषयों को बनाए रखते हुए इन्हें एआई, डेटा साइंस, रोबोटिक्स, उन्नत मैन्युफैक्चरिंग, बायोटेक्नोलॉजी, सेमीकंडक्टर्स, ऊर्जा, स्वास्थ्य-सेवा और जलवायु तकनीकी जैसे उभरते क्षेत्रों से जोड़ना होगा।

हमें अब शिक्षा को ज्यादा लचीला और बहुआयामी बनाना होगा। एनर्जी, हेल्थकेयर, मोबिलिटी, जलवायु परिवर्तन, कृषि, जल, शहरीकरण सम्बंधी 21वीं सदी की समस्याओं का समाधान किसी एक विषय के जरिए नहीं हो सकता। इसके लिए इंजीनियरों, वैज्ञानिकों, डिजाइनरों, समाज-विज्ञानियों और नीति-निर्माताओं को अपने-अपने दायरों से बाहर निकलकर साथ काम करना होगा।

एआई का इस्तेमाल सीखें, लेकिन यह भी जानें कि कब इस्तेमाल नहीं करना है। तकनीक एक टूल है, जो समय के साथ बदलती रहेगी। वह इंसानी क्षमता को बढ़ा सकती है, लेकिन यह तय नहीं कर सकती कि उस क्षमता का सार्थक और जिम्मेदार इस्तेमाल क्या होगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

छोटे शहरों की आवाजें सुनाई देने लगी हैं हमारी कहानियों में

'शहर से दस किलोमीटर' नाम के अपने उपन्यास में नीलेश रघुवंशी ने भोपाल से कुछ दूर एक ऐसी जिंदगी का जिक्र किया है, जो फल-फूल रही है, मुश्किलों और चुनौतियों से भरी है, लेकिन साथ ही बहुत गहरी और दार्शनिक भी है। इस कस्बे और उस शहर के बीच- जो अपनी सीमाओं के बाहर किसी और जिंदगी से बेखबर है- आने-जाने का सफर कहानी कहने वाली नैरेटर की साइकिल तय करती है। एक सूत्रधार और एक रिकॉर्ड की तरह, यह साइकिल उस जगह की आखिरी निशानियों में से एक है, जो अब शहर के एक ऐसे बे-पहचान, नव-उदारवादी और साधारण से विस्तार में बदल चुकी है, जिसे पहचानना मुश्किल है।

उपन्यास में साइकिल से जुड़ी बचपन की यादें खूब उभरने लगती हैं, क्योंकि 'बचपन में छोटे-छोटे पांव बड़े-बड़े पंख होते हैं।' एक स्त्री नैरेटर हमें उन दिनों की याद दिलाती है, जब काले डंडे वाली साइकिलें थीं, न कि गुलाबी खूबसूरत दिखती लेडीज साइकिलें जो अब मिलती हैं।

ऐसी कल्पना ही कहां थीं कि लड़कियां साइकिल चलाएंगी। परंतु हमारी नैरेटर तो इस तरह की जेंट्स साइकिल भी ऐसे चलाती- 'मैं धड़ल्ले से तो साइकिल चलाने लगी। कभी झुककर तो कभी तनकर, कभी सीटी बजाते हुए तो कभी लहराते हुए, कभी हैंडिल और खुद को तिरछा करते हुए, कभी एक हाथ छोड़कर, तो कभी सीट से ऊपर उठकर दोनों हाथ छोड़ते हुए। मैं साइकिल के साथ लहराने लगी।'

साइकिल सिर्फ एक रोमांच नहीं, एक पोलिटिक्स भी है- एक समय और जीवन-शैली का निशान भी है, जब वह सिर्फ गरीबी या मजबूरी की प्रतीक नहीं थी। यह उपन्यास पढ़ते हुए, मैं चली गई बीते हुए दिनों में- भूतकाल जो एक टाइम भी है और स्पेस भी।

मुझे पुरानी बातें याद आ गईं- अजमेर में बिताई गर्मियों की लंबी और धीमी छुट्टियां, जहां मेरी मां का मायका है। मैं हर गर्मी में वहां जाती थी और घंटों कर्नल रंजीत और राजहंस के उपन्यास पढ़ती थी, जिन्हें मैं प्रभात टॉकीज के पास एक छोटी-सी दुकान से किराए पर लेती थी।

सिंधी मोहल्ले से प्रभात टॉकीज तक का रास्ता चढ़ाई वाला था और खुले नालों की बदबू से भरा होता था। लेकिन मैं खुश रहती थी, क्योंकि उसी दुकान से मुझे साइकिल भी मिल जाती थी, जहां से मैं किताबें लेती थी। पूरे दिन के लिए साइकिल का किराया एक रुपये से भी कम होता था। साइकिल चलाने और उपन्यास पढ़ने के मजे ने उन गर्मियों को खास बना दिया था।

अलग-अलग जगहों पर समय का एहसास अलग- अलग होता है। यह वह समय नहीं है, जो हमारी घड़ियों में टिक-टिक करता है, बल्कि वह है, जो बैकग्राउंड में शांत और स्थिर रहता है- जैसे कोई खिड़की हो, जिससे अंदर और बाहर दोनों तरफ देखा जा सके। बड़े शहरों में समय का यह रूप देखने को नहीं मिलता।

इस समय की शांति को बहुत कम लेखक पकड़ पाते हैं, लेकिन जब वे ऐसा करते हैं, तो हमें विनोद कुमार शुक्ल, सारा राय या नीलेश रघुवंशी जैसे लेखक मिलते हैं। लेकिन क्या 'बरेली की बर्फी' या 'तनु वेड्स मनु' जैसी फिल्में- जिन्हें अब छोटे शहर की फिल्में कहा जाता है- उनमें यह शांति सिनेमाई रूप से दिखाई देती है? इस सवाल का जवाब देने से पहले, कोई यह पूछ सकता है कि आखिर 'छोटा शहर' क्या है?

अजमेर के साथ मेरा अनुभव शायद एक छोटे शहर जैसा ही था, और मुझे पूरा यकीन है कि आज का अजमेर मेरी इस परिभाषा को चुनौती देगा। असल में, जो न तो गांव है और न ही शहर, उसे अकसर छोटा शहर कहा जाता है- एक ऐसी श्रेणी जिसे 'नहीं' (यानी जो नहीं है) के आधार पर परिभाषित किया जाता है।

पिछले एक-दो दशकों में हमने छोटे शहर पर आधारित फिल्मों और सीरियलों की बाढ़ देखी है। इनकी शुरुआत शायद 'बंटी और बबली' से हुई थी। आप देखिए कि बंटी न सिर्फ जगह छोड़ना चाहता है, पर वक्त की धीमी रफ्तार से भागना भी चाहता है।

फुरसतगंज इस टाइम और स्पेस को साथ में किस खूबसूरती से मिलाता है, जहां से नए इंडिया के बेचैन नौजवान दूर भागना चाहते हैं। बबली पंकिनगर की हैं। जब हम बरेली या धनबाद या मिर्जापुर आते हैं, तो इनमें अपने अस्तित्व को बनाये रखने की बात है। छोटा शहर एक स्टेशन नहीं और न ही 'मदर इंडिया' वाला गांव है। छोटा शहर वो जगह है, जिसमें मध्यम वर्ग की नई आकांक्षाएं और ख्वाहिशें उपज रही हैं और उनसे वह जूझता है। इस जद्दोजहद को फिल्मों ने कॉमेडी के रूप में दर्शाया है, तनाव के तौर पर नहीं। हम गोरियों के गांव और बम्बई-कलकत्ते के कालाबाजार को पीछे छोड़ आए हैं। जिन्हें गहराई चाहिए, उन्हें शहर से कुछ मील दूर जाना होगा, और वह भी साइकिल पर!

छोटा शहर वो जगह है, जिसमें मध्यम वर्ग की नई आकांक्षाएं और ख्वाहिशें उपज रही हैं और उनसे वह जूझता है। इस जद्दोजहद को फिल्मों ने कॉमेडी के रूप में दर्शाया है, तनाव के तौर पर नहीं। हम गोरियों के गांव और बम्बई-कलकत्ते के कालाबाजार को पीछे छोड़ आए हैं।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

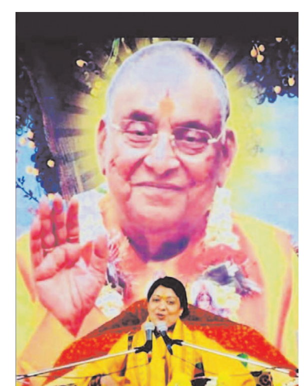

जब विभीषणजी भगवान राम की शरण में आए और सुग्रीव ने कहा कि प्रभु ! दसानन का भाई आया हुआ है और मेरी तो स्पष्ट धारणा है कि इसे बंदी बनाकर रख लेना चाहिए। इस प्रसंग में प्रधानमंत्री सुग्रीव, हनुमानजी एवं प्रभु में बड़ा मीठा विनोद हुआ।

गीतावली रामायण में तुलसीदासजी कहते हैं कि प्रभु खूब जोर से हृदय में हंसकर हनुमानजी से कहने लगे –

सुहृद साधु सूचि सरल विभीषण, जानि परत अनुमान सों।।

हनुमान ! मुझे तो लगता है कि विभीषण बड़े अच्छे हृदय वाला है, सरल चित्त वाला है, शीलवान है, गुणी है। लेकिन भई ! हम तो अनुमान से कह रहे हैं परंतु तुम लंका में प्रत्यक्ष जाकर देख आये हो। अत: तुम बताओ तुम्हारी क्या राय है ? भगवान राम ने इस तरह मानो हनुमानजी को अवसर दिया। क्योंकि हनुमानजी के सामने संकट यह था कि उन्होंने सोचा कि अगर मैं विभीषण का समर्थन करता हूं तो सुग्रीव का खंडन होता है। और यदि समर्थन नहीं करता हूं तो बहुत बड़ा अनर्थ होता है क्योंकि मैंने ही तो विभीषण को प्रभु की शरण में आने की प्रेरणा दी। भगवान राम ने जब हनुमानजी से कहा तो सुग्रीव ने भी हनुमानजी की ओर देखा। अब हनुमानजी किसका समर्थन करें ? और तब हनुमानजी ने इतनी बढ़िया बात कही कि सुग्रीव का विरोध भी नहीं हुआ और भगवान राम का समर्थन भी हुआ। हनुमानजी ने कहा, प्रभु ! क्षमा करें, यह दास की बड़ी धृष्टता है, लेकिन मुझे तो आपका प्रश्न ही कुछ ठीक नहीं लग रहा है। प्रभु ने कहा कि मेरे प्रश्न में तुमने क्या भूल निकली ? उन्होंने कहा, प्रभु ! विभीषण तो शरण में आए हुए हैं, इसलिए मैं आपसे जानना चाहता हूं कि शरणागति न्यायालय है या औषधालय ? क्योंकि न्यायालय तथा औषधालय की पद्धति अलग-अलग है। न्यायालय में तो न्यायाधीश न्याय के सिंहासन पर बैठता है और जिस व्यक्ति ने भूल की है उसे वह दंड देता है तथा निरपराध को दण्ड मुक्त कर देता है। पर जब कोई व्यक्ति औषधालय में आता है तो वैद्य का काम न्याय के सिंहासन पर बैठकर न्याय करना नहीं है।

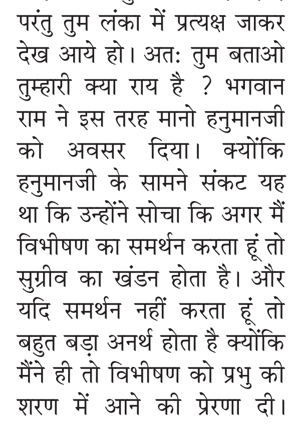

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

अभिभावक भी शिक्षा की नींव मजबूत करने में भागीदार बनें

बच्चा विद्यालय में प्रवेश लेने के दिन से सीखना प्रारंभ नहीं करता। वह अपने गर्भधारण के क्षण से ही सीखना प्रारंभ कर देता है। उसके बाद औपचारिक शिक्षा के लिए विद्यालय में प्रवेश से पूर्व पहला विद्यालय उसका घर और उसके प्रथम शिक्षक उसके अभिभावक होते हैं। शिक्षक दिवस के अवसर पर हम शिक्षकों के योगदान को सम्मानपूर्वक स्मरण करते हैं।शिक्षक नि:सन्देह राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। लेकिन इस अवसर पर शिक्षा से जुड़े एक ऐसे शिक्षक को याद करना और उसकी भूमिका पर भी विचार करना आवश्यक है, जिसके हाथ में बच्चे की शिक्षा सबसे पहले आती है। बच्चा बोलना, सुनना, प्रश्न, व्यवहार, प्रेम, सहयोग करना और आसपास की दुनिया को समझना सबसे पहले परिवार से सीखता है। विद्यालय आने तक उसके व्यक्तित्व की अनेक बुनियादी प्रवृतियां आकार लेने लगती हैं, जो उसके जीवन पर्यन्त काम आती है। यह एक विडंबना है कि हमारी औपचारिक शिक्षा व्यवस्था में इस प्रथम शिक्षक/ अभिभावक की भूमिका अभी तक स्पष्ट रूप से परिभाषित नहीं हो सकी है।

शिक्षा को एक त्रिकोण के रूप में देखा जा सकता है जिसके तीन कोण- विद्यार्थी, शिक्षक एवं अभिभावक हैं। इसमें विद्यार्थी शिक्षा का केंद्र है। गुणवत्तापूर्ण एवं उद्देश्यपरख शिक्षा के लिए इस कोण का संतुलित होना अत्यंत आवश्यक है। वर्तमान में ये तीनों कोण समन्वित रूप से कार्य नहीं कर पा रहे हैं। विद्यालयों में शिक्षक पढ़ाता है, विद्यार्थी सीखता है और अभिभावक की भूमिका सामान्यत: उपेक्षित और उदासीन रहती है। अभी उसकी भूमिका केवल विद्यार्थी को विद्यालय भेजना और कभी-कभार अभिभावक-शिक्षक बैठक (पीटीएम) में उपस्थित होना है। विद्यार्थी की शिक्षा को सबसे बड़ा हितधारक होने के बावजूद भी अभिभावक की भूमिका सहभागी की न होकर दर्शक की रह जाती है। विशेष रूप से सरकारी विद्यालयों में अभिभावक-शिक्षक बैठक (पीटीएम) की अवधारणा तो है लेकिन अनेक स्थानों पर उसकी नियमितता, उद्देश्यपरखता और वास्तविक शैक्षिक उपयोगिता सुनिश्चित करना अब भी चुनौती है। केवल बैठक आयोजित कर देने को अभिभावक सहभागिता नहीं माना जा सकता। आवश्यकता यह है कि अभिभावक बच्चे की अधिगम, शिक्षण का सक्रिय भागीदार बने।

दुनिया तेजी से बदल रही है। एआइ, रोबोटिक्स, कोडिंग, मशीन लर्निंग और नई वैज्ञानिक खोजें बच्चों के भविष्य को पुर्नपरिभाषित कर रही हैं। अब शिक्षा का उद्देश्य केवल जानकारी याद करवाना नहीं, बल्कि बच्चों में पहल की प्रवृति विकसित करना है। विडंबना यह है कि हमारे सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थी वर्तमान अधिगत स्तर पर ही नहीं है। आज बच्चे को क्रिटिकल थिंकिंग, क्रिएटिविटी, कम्युनिकेशन, कॉलेब्रेशन, क्यूरोसिटी, प्रॉब्लम सोल्विंग और इमोशनल इंटेलिजेंस जैसी क्षमताओं की आवश्यकता है। भरत में, विशेषकर सरकारी विद्यालयों के सामने दोहरी चुनौती है। एक ओर हमें बच्चों में बुनियादी भाषा और गणितीय दक्षताएं मजबूत करनी है, दूसरी ओर उन्हें तेजी से बदलती तकनीकी दुनिया के लिए भी तैयार करना है। अत: नामांकन और विद्यालयों में उपस्थिति से आगे बढक़र सीखने के परिणाम और दक्षता पर ध्यान देना आवश्यक हो गया है।

औपचारिक ढांचे में ऐसा व्यावहारिक और संस्थागत परिवर्तन करना आवश्यक है, जिससे अभिभावक की भूमिका और उनका उत्तरदायित्व बढ़े। वे ये जान सकें कि उनका बच्चा क्या सीख रहा है? उसमें कौनसी दक्षताएं विकसित हो रही हैं? अभिभावक अपने बच्चे की शिक्षा में क्या योगदान दे सकते हैं? बच्चे में जिज्ञासा की गतिविधि कैसे बढ़ाई जा सकती है? वर्तमान मॉडल अभिभावक-शिक्षक बैठक (पीटीएम) को अभिभावक-शिक्षक सहभागिता (पीटीटी) में बदलने की आवश्यकता है। ऐसा एक प्रयोग राजस्थान में झुंझुनूं जिले की पहल के आधार पर वर्ष 2019 में पूरे प्रदेश में लागू किया गया था। विद्यालय अपनी नियमित गतिविधि बाल सभा को गांव की चौपाल, सार्वजनिक स्थल या समुदाय के बीच प्रस्तुत करता था। इससे विद्यालय स्वयं समाज के बीच पहुंच जाता था। बिना किसी वित्तीय भार के इस पहल का मनोवैज्ञानिक प्रभाव यह था कि अभिभावक और गांव के लोग अपने बच्चे को सीखते हुए देखने लग गए थे। सामुदायिक बाल सभा की यह एक मात्र गतिविधि ऐसी है जो शिक्षा के त्रिकोण को न केवल संतुलित करती है बल्कि सभी हितधारकों की भूमिका और उत्तरदायित्व को पुर्नपरिभाषित भी करती है। यह गतिविधि परोक्ष रूप से प्रथम शिक्षक को प्रशिक्षित भी करती है।

रायपुर तिरंगा फेस्ट में स्टूडेंट्स-टीचर्स ने दिखाई प्रतिभाःगुरु वंदन फिनाले में 30 प्रस्तुतियां, हर महीने बदलेगी फेस्ट की थीम; अक्टूबर में अंत्योदय थीम पर

रायपुर। जयस्तंभ चौक स्थित शहीद स्मारक भवन में तिरंगा फेस्ट के 'गुरु वंदन' ग्रैंड फिनाले का आयोजन किया गया। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को समर्पित करते हुए हुए कार्यक्रम में कला, संस्कृति, देशभक्ति और गुरु-शिष्य परंपरा का संगम देखने को मिला।

मंच पर करीब 30 प्रस्तुतियां हुईं। शास्त्रीय संगीत, कथक, भरतनाट्यम, डांस, गीत, देशभक्ति गीत और वर्चुअल एयर प्रोग्राम ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। कार्यक्रम का आयोजन मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर जिला प्रशासन रायपुर की ओर से किया गया। इस दौरान कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह, नगर निगम रायपुर के कमिश्नर संबित मिश्रा, नगर निगम बिरगांव के कमिश्नर युगल किशोर उर्वशा, अपर कलेक्टर नवीन ठाकुर, अपर कलेक्टर कीर्तिमान राठौर और पार्षद अमर गिदवानी सहित अन्य अतिथि मौजूद रहे।

फिनाले की खास बात यह रही कि करीब 5 साल के बच्चों ने भी स्टेज पर परफॉर्म किया। छोटे बच्चों ने पूरे कॉन्फिडेंस के साथ अपनी प्रस्तुतियां दीं और दर्शकों से खूब तालियां बटोरीं।

प्रतियोगिता में दो एज ग्रुप रखे गए थे। पहला 5 से 15 साल और दूसरा 15 से 70 साल का था। इससे एक ही मंच पर बच्चों की मासूम प्रतिभा से लेकर बड़े उम्र के प्रतिभागियों का अनुभव देखने को मिला।

'गुरु वंदन' थीम होने के कारण इस बार टीचर्स और स्टूडेंट्स की भागीदारी भी खास रही। शिक्षकों ने खुद स्टेज पर अपनी कला का प्रदर्शन किया।

किराए पर उपलब्ध है
तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।
संपर्क-9302222222

नवप्रवेशी विद्यार्थियों का उत्साह से किया स्वागत

तिल्दा-नेवरा। सत्यनारायण अग्रवाल शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय कोहका, तिल्दा में नवप्रवेशी विद्यार्थी स्वागत समारोह का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम का विषय 'नए सपनों, नई उम्मीदों और नई शुरुआत का स्वागत' रखा गया था, जिसमें महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने नव-प्रवेशित विद्यार्थियों का आत्मीय स्वागत किया।

समारोह में नगरपालिका अध्यक्ष चंद्रकला वर्मा, मनोज निषाद, नरसिंह वर्मा, गोपाल साहू सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं महाविद्यालय परिवार उपस्थित रहा। लववक्ताओं ने कहा कि नव-प्रवेशित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि महाविद्यालयीन जीवन जीवन का सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव है। यहीं से आपके भविष्य की नींव बनती है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जीवन में अनुशासन, नियमित अध्ययन और लक्ष्य के प्रति समर्पण सबसे जरूरी है। आज के युग में शिक्षा के साथ-साथ संस्कार और कौशल विकास भी आवश्यक है, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत आप सभी को प्राप्त होगा।

रायपुर को सीवेज-ड्रेनेज के लिए 3500 करोड़ मिलेंगे : पहले DPR देनी होगी, मंजूरी के बाद केंद्र देगा 2100 करोड़, राज्य लगाएगा 1400 करोड़

रायपुर। रायपुर में सीवेज, नालियों और गंदे पानी की समस्या दूर करने के लिए बड़े प्रोजेक्ट की उम्मीद जगी है। 16वें वित्त आयोग ने रायपुर को देश के 22 शहरों में शामिल किया है, जिन्हें वेस्टवॉटर मैनेजमेंट के लिए स्पेशल इंफ्रास्ट्रक्चर फंड मिलेगा।

रायपुर में अधिकतम 3500 करोड़ रुपए तक का प्रोजेक्ट तैयार किया जा सकता है। इसमें 60% यानी 2100 करोड़ रुपए केंद्र सरकार दे सकती है। बाकी 40% यानी 1400 करोड़ रुपए राज्य सरकार और नगर निगम को मिलकर लगाने होंगे।

ध्यान रखने वाली बात यह है कि अभी रायपुर को 3500 करोड़ रुपए मंजूर नहीं हुए हैं। यह सिर्फ प्रोजेक्ट की अधिकतम सीमा है। कितनी राशि मिलेगी, यह डीपीआर और प्रोजेक्ट की मंजूरी के बाद तय होगा।

सीवेज और ड्रेनेज सिस्टम सुधरेगा

इस फंड का इस्तेमाल सामान्य विकास कार्यों में नहीं किया जाएगा। इसका मुख्य फोकस गंदे पानी की निकासी और ट्रीटमेंट पर रहेगा। रायपुर में इससे सीवेज लाइन का नेटवर्क बढ़ाने, गंदे पानी के ट्रीटमेंट प्लांट, ड्रेनेज सिस्टम सुधारने और बारिश के पानी की निकासी से जुड़े काम किए जा सकते हैं। यानी अलग-अलग जगह छोटे काम करने के बजाय पूरे शहर का वेस्टवॉटर सिस्टम बेहतर करने की योजना बनाई जा सकेगी।

3500 करोड़ तक का मिलेगा फंड

16वें वित्त आयोग की गाइडलाइन में आबादी के आधार पर शहरों को इस योजना में शामिल किया गया है। रायपुर को भी पात्र शहरों की सूची में रखा गया है। 15 लाख से कम आबादी वाले पात्र शहरों के लिए 3500 करोड़ रुपए तक के प्रोजेक्ट की सीमा तय की गई है। इसी आधार पर रायपुर के लिए भी अधिकतम सीमा 3500 करोड़ रुपए है।

छत्तीसगढ़ के शहरी निकायों को 4990 करोड़

2026-27 से 2030-31 तक 16वें वित्त आयोग ने देश के शहरी निकायों के लिए कुल 3.56 लाख करोड़ के अनुदान की सिफारिश की है। छत्तीसगढ़ के लिए बेसिक और परफॉर्मेंस ग्रांट के रूप में 4990 करोड़ रुपए निर्धारित हैं। यह राशि पूरे प्रदेश के शहरी निकायों के लिए है, सिर्फ रायपुर के लिए नहीं।

पहले DPR बनेगी, फिर मिलेगा पैसा

3500 करोड़ का प्रोजेक्ट अपने आप मंजूर नहीं होगा। पहले रायपुर में जरूरतों का अध्ययन कर डीपीआर तैयार की जाएगी। इसके बाद राज्य और केंद्र स्तर पर इसकी जांच और मंजूरी होगी। मंजूरी के बाद केंद्र, राज्य सरकार और नगर निगम के बीच एमओयू होगा। इसके बाद काम शुरू हो सकेगा।

काम पूरा होने के साथ किस्तों में पैसा

केंद्र की राशि भी एक साथ नहीं मिलेगी। प्रोजेक्ट की प्रगति के हिसाब से अलग-अलग किस्तों में पैसा जारी होगा। पहली किस्त एमओयू के बाद जारी की जा सकती है। इसके बाद काम और राशि के इस्तेमाल के आधार पर अगली किस्तें मिलेंगी। प्रोजेक्ट पूरा होने के बाद इसके रखरखाव की जिम्मेदारी नगर निगम की होगी।

रायपुर समेत 22 शहर योजना में

देशभर में 22 शहरों को इस स्पेशल इंफ्रास्ट्रक्चर कंपोनेंट में शामिल किया गया है। इनमें रायपुर के अलावा पुणे, जयपुर, लखनऊ, कानपुर, नागपुर, इंदौर, भोपाल, पटना, वडोदरा, लुधियाना, फरीदाबाद, राजकोट, धनबाद, अमृतसर, हावड़ा, रांची, कोयंबटूर, विजयवाड़ा, जोधपुर और मदुरै समेत अन्य शहर शामिल हैं।

15 साल बाद दोबारा किताब थामकर टीचर बनीं मां, आज स्पेशल बच्चों को पढ़ा रहीं

रायपुर। साल 2012 में जब दुनिया खत्म होने की बातें चल रही थीं, तब मैं चाहती थी कि सच में दुनिया खत्म हो जाए...रायपुर की संगीता धुरंधर यह कहते हुए अपनी जिंदगी के उस सबसे मुश्किल दौर को याद करती हैं, जब स्पेशल चाइल्ड बेटी सृष्टि के भविष्य की चिंता उन्हें अंदर से तोड़ चुकी थी।

उन्हें लगता था कि अगर सब कुछ खत्म हो जाएगा तो शायद बेटी और परिवार के हिस्से का दुख भी खत्म हो जाएगा। लेकिन वक्त बदला और वही मां, जो कभी अपनी बेटी के लिए रास्ता खोज रही थी, आज स्पेशल बच्चों की दुनिया को आगे बढ़ाने में जुटी हैं।

शिक्षक दिवस पर एक मां के संघर्ष की कहानी, जिन्होंने शादी के 15 साल बाद दोबारा पढ़ाई शुरू की और स्पेशल एजुकेटर बनीं। संगीता रायुपर में बेटी सृष्टि के नाम से स्पेशल स्कूल चला रही हैं, जहां करीब 52 बच्चे पढ़ रहे हैं। बच्चों को पढ़ाई के साथ उनकी क्षमता के अनुसार काम सिखाया जाता है। कई बच्चों को रोजगार मिला है।

रायपुर में अकाउंट पेयी चेक से 4.40 लाख की ठगी : बैंक में जमा करने के बाद चेक गायब; फर्जी आधार लगाकर SBI से निकाला कैश

रायपुर। रायपुर में बैंकिंग दस्तावेजों से छेड़छाड़ कर चेक से पैसे निकालने का मामला सामने आया है। तात्यापारा निवासी आनंद कुसरे ने कोतवाली थाने में शिकायत देकर आरोप लगाया है कि, उनके नाम जारी 4.40 लाख रुपए का अकाउंट पेयी चेक बैंक में जमा करने के बाद गायब हो गया।

इसके बाद चेक में कथित कुटरचना कर और फर्जी आधार कार्ड का इस्तेमाल करते हुए किसी अज्ञात व्यक्ति ने भारतीय स्टेट बैंक की संतोषी नगर शाखा से पूरी रकम कैश निकाल ली।

शिकायत के मुताबिक, आनंद कुसरे ने अपनी संपत्ति के विक्रय का सौदा सोनम वर्मा के साथ किया था। रजिस्ट्री से पहले सोनम ने 14 जुलाई 2026 की तारीख वाला चेक नंबर 669171, 4 लाख 40 हजार रुपए का अकाउंट पेयी चेक आनंद के नाम जारी किया था। आनंद ने यह चेक 15 जुलाई को अपने बैंक ऑफ इंडिया, तात्यापारा शाखा के खाते में संग्रहण के लिए जमा किया।

16 जुलाई को आनंद ने बैंक से चेक की स्थिति पूछी, लेकिन रकम खाते में नहीं आई थी। अगले दिन बैंक कर्मचारियों ने उन्हें बताया कि चेक गुम हो गया है और फिलहाल सिर्फ जमा पर्ची उपलब्ध है। 20 जुलाई को बैंक पहुंचने पर उन्हें जानकारी मिली कि चेक की पूरी राशि पहले ही स्क्चढ्ढ की संतोषी नगर शाखा से कैश निकाली जा चुकी है।

इसके बाद आनंद ने स्क्चढ्ढ शाखा पहुंचकर चेक और भुगतान से जुड़े दस्तावेज देखे। उनका आरोप है कि चेक के पीछे उनके नाम से फर्जी हस्ताक्षर किए गए थे। रकम निकालने वाले व्यक्ति ने अपना मोबाइल नंबर भी दर्ज किया था।

जिला-पंचायत ष्टश्वह्र ने योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग के दिए निर्देश : महिला-बाल विकास और स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक

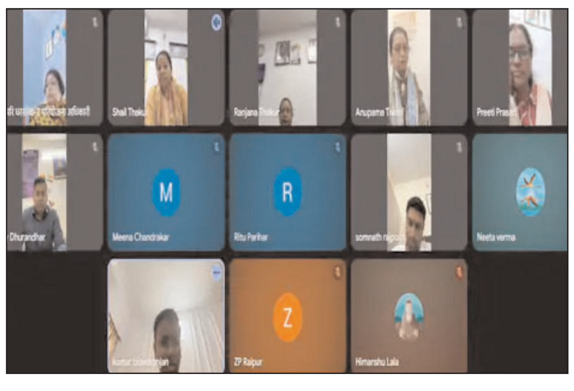

रायपुर। रायपुर जिला पंचायत CEO कुमार बिश्वरंजन ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए महिला एवं बाल विकास और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक ली। महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका के रिक्त पदों पर नियुक्ति की स्थिति जानी गई। उन्होंने नियुक्ति प्रक्रिया निर्धारित समय-सीमा में पूरी करने और लंबित कार्रवाई में तेजी लाने के निर्देश दिए।

जिले में कुपोषण मुक्त आंगनबाड़ी केंद्रों की संख्या बढ़ाने, बच्चों और हितग्राहियों को पोषण सेवाओं की बेहतर उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। टेक होम राशन और हॉट कुक्ड मील के वितरण की भी समीक्षा की गई। ष्टश्वह्र ने व्यवस्था में लगातार सुधार बनाए रखने के निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के निर्धारित लक्ष्य की समीक्षा करते हुए ष्टश्वह्र ने लक्ष्य जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजना के पात्र हितग्राहियों की पहचान कर उन्हें समय पर लाभ दिलाया जाए। साथ ही महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं की नियमित निगरानी करने को कहा।

स्वास्थ्य योजनाओं की रोजाना होगी समीक्षा

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में CMHO, खंड चिकित्सा अधिकारियों और शहरी कार्यक्रम प्रबंधकों को राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रतिदिन समीक्षा करने के निर्देश दिए गए। उपलब्धि कम होने पर तत्काल कार्ययोजना बनाकर लक्ष्य पूरा करने को कहा गया।

स्वास्थ्य संस्थाओं की विकासखंड स्तर पर और विकासखंडों की जिला स्तर पर नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए गए। बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी शैल ठाकुर, CMHO डॉ. मिथिलेश चौधरी समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जिस स्कूल में कभी ब्रेल सीखी, आज वहीं बच्चों के सपनों को दे रहे रोशनी

रायपुर । सर, मैं हूं... पहचान गए?' आवाज सुनते ही अमित कुमार त्रिवेदी मुस्कुरा देते हैं। सामने खड़े बच्चे को देखने के लिए उन्हें आंखों की जरूरत नहीं पड़ती। आवाज ही उनके लिए पहचान है। मठपुरैना स्थित शासकीय दृष्टि एवं श्रवण बाधित स्कूल में यह रोज का दृश्य है।

स्कूल के प्राचार्य व अधीक्षक अमित कुमार त्रिवेदी कहते हैं कि बच्चे जब घर छोड़कर स्कूल आते हैं तो उन्हें सबसे पहले किताब नहीं, अपनापन चाहिए। उन्हें यह महसूस होना चाहिए कि वे अकेले नहीं हैं।' कभी वे भी इसी स्कूल के छात्र रहे हैं। आज आंखों से दुनिया नहीं देख पाते, लेकिन अपने अनुभव से बच्चों की छोटी-सी परेशानी भी पहचान लेते हैं। किसी बच्चे की आवाज सुनकर बता देते हैं कि कौन सामने खड़ा है। स्कूल की हर सीढ़ी, हर कमरा और हर रास्ता उन्हें याद है। अमित कुमार त्रिवेदी वर्ष 1980 में इसी स्कूल में पहली कक्षा में दाखिल हुए थे। ग्लूकोमा के कारण बचपन में आंख की रोशनी चली गई थी। तीसरी-चौथी तक सामान्य स्कूल में पढ़े, फिर ब्रेल सीखने के लिए दोबारा पहली कक्षा से पढ़ाई शुरू की। 2016 में इसी स्कूल में शिक्षक बनकर लौटे। उनके कार्यकाल में 100 से ज्यादा बच्चे सरकारी सेवाओं में पहुंचे हैं। रेलवे, एसएससी, बैंकिंग और शिक्षा के क्षेत्र में कई बच्चों ने नौकरी हासिल की है। मठपुरैना स्थित शासकीय दृष्टि एवं श्रवण बाधित स्कूल में प्राचार्य व अधीक्षक अमित कुमार त्रिवेदी देख नहीं सकते हैं, लेकिन रोज ऐसे ही बच्चों को शिक्षा दे रहे हैं।

पढ़ाई से आगे, बच्चों में आत्मविश्वास जगाया अमित ने दिव्यांग बच्चों के लिए शनिवार को बाल सभा और किशोर सभा शुरू कराई। कविता, कहानी, गीत और बातचीत के जरिए बच्चों का स्टेज फियर कम करने पर जोर दिया।

वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल

मो.नं. : 9770888888

मेष। आज का दिन आपके लिए व्यस्तता के साथ-साथ नई उपलब्धियों का संकेत लेकर आया है। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिलने की संभावना है, जिससे आपकी क्षमता और नेतृत्व कौशल की परीक्षा होगी। हालांकि काम का दबाव अधिक रहेगा, लेकिन सहकर्मियों और वरिष्ठ अधिकारियों के सहयोग से सभी कार्य समय पर पूरे हो जाएंगे।

वृषभ। आज आर्थिक मामलों में आपको राहत मिलने के संकेत हैं। लंबे समय से रुका हुआ धन वापस मिल सकता है और व्यापार में लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। यदि किसी नए कार्य की शुरुआत करना चाहते हैं तो समय अनुकूल है। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थल या मनोरंजक यात्रा की योजना बन सकती है, जिससे रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी।

मिथुन। आज आपको अपनी वाणी पर विशेष संयम रखने की आवश्यकता है। सोच-समझकर बोले गए शब्द रिश्तों को मजबूत बनाएंगे और कार्यक्षेत्र में आपकी छवि बेहतर होगी। व्यवसाय से जुड़े लोगों को किसी बड़े निवेश से पहले अनुभवी व्यक्ति की सलाह अवश्य लेनी चाहिए। आर्थिक मामलों में जल्दबाजी नुकसान पहुंचा सकती है। नौकरीपेशा लोगों को नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं।

कर्क। आज मन कुछ अशांत रह सकता है, इसलिए किसी भी निर्णय में जल्दबाजी करने से बचें। पारिवारिक मामलों में धैर्य और समझदारी से काम लेना आपके लिए लाभदायक रहेगा। नौकरीपेशा लोगों को अधिकारियों से प्रशंसा और नई जिम्मेदारियां मिलने के संकेत हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलेगा। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी, लेकिन अनावश्यक खर्चों से बचना बेहतर होगा।

सिंह। आज आपका आत्मविश्वास पहले से कहीं अधिक मजबूत रहेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा और कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत व प्रतिभा की खुलकर सराहना होगी। वरिष्ठ अधिकारी आपके कार्य से प्रभावित रहेंगे, जिससे नई जिम्मेदारियां या पदोन्नति के अवसर भी मिल सकते हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी और आय के नए स्रोत बनने की संभावना है। वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा तथा जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा।

कन्या। आज खर्चों में बढ़ोतरी हो सकती है, इसलिए बजट बनाकर चलना आपके लिए लाभदायक रहेगा। विरोधियों से सतर्क रहें और किसी भी विवाद में पड़ने से बचें। लेन-देन के मामलों में पूरी सावधानी बरतें तथा बिना सोचे-समझे किसी पर भरोसा न करें। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी और सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन योग, व्यायाम और नियमित दिनचर्या बनाए रखना आवश्यक होगा।

तुला। आज मित्रों और परिजनों का भरपूर सहयोग मिलेगा, जिससे आपके कई महत्वपूर्ण कार्य आसानी से पूरे हो सकते हैं। साझेदारी के कार्यों में लाभ मिलने के प्रबल योग हैं और व्यापार से जुड़े लोगों को अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा तथा आय में वृद्धि के संकेत हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी कार्यशैली की सराहना होगी और अधिकारी भी आपके प्रयासों से संतुष्ट रहेंगे।

वृश्चिक। आज कार्यस्थल पर कार्यभार बढ़ सकता है, लेकिन आपकी मेहनत और लगन आपको सफलता दिलाएगी। गुप्त शत्रुओं से सतर्क रहें और अपनी योजनाओं को हर किसी के साथ साझा करने से बचें। वाहन चलाते समय विशेष सावधानी बरतें तथा अनावश्यक यात्रा से बचें। निवेश के मामलों में फिलहाल धैर्य रखना बेहतर रहेगा। आर्थिक स्थिति सामान्य बनी रहेगी। परिवार का सहयोग मिलेगा और जीवनसाथी का साथ मनोबल बढ़ाएगा।

धनु। आज भाग्य आपके पक्ष में रहेगा और लंबे समय से अटके हुए कार्यों में तेजी आएगी। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत का उचित सम्मान मिलेगा और नई जिम्मेदारियां भी मिल सकती हैं। उच्च शिक्षा से जुड़े छात्रों को कोई शुभ समाचार मिलने की संभावना है। यात्रा के योग बन रहे हैं, जो भविष्य में लाभदायक साबित हो सकते हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और आय के नए अवसर प्राप्त होंगे। परिवार के साथ समय बिताने से रिश्तों में मधुरता आएगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

मकर। आज कानूनी मामलों में राहत मिलने के संकेत हैं और यदि कोई पुराना विवाद चल रहा है तो उसका समाधान निकल सकता है। पैतृक संपत्ति से लाभ होने की संभावना है। व्यापारिक यात्रा सफल रहेगी और नए संपर्क भविष्य में लाभ देंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और अनुशासन की सराहना होगी। आर्थिक स्थिति पहले से अधिक मजबूत होगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा और परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन अधिक काम के कारण थकान महसूस हो सकती है।

कुंभ। आज व्यापार में नए अवसर प्राप्त होंगे और आर्थिक स्थिति पहले से अधिक सुदृढ़ होगी। यदि किसी नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू करना चाहते हैं तो समय अनुकूल है। भावनाओं में बहकर कोई भी बड़ा निर्णय लेने से बचें, क्योंकि सोच-समझकर लिया गया फैसला ही भविष्य में लाभ देगा। कार्यक्षेत्र में आपकी कार्यशैली की सराहना होगी और सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। परिवार में शांति और सौहार्द बनाए रखने का प्रयास करें। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन नियमित दिनचर्या अपनाना आवश्यक होगा।

मीन। आज आपका झुकाव आध्यात्म और धार्मिक कार्यों की ओर अधिक रहेगा, जिससे मानसिक शांति और आत्मविश्वास दोनों बढ़ेंगे। कार्यक्षेत्र में परिस्थितियां आपके अनुकूल रहेंगी और सहकर्मियों के साथ बेहतर तालमेल से कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति सामान्य से बेहतर रहेगी तथा आय के नए अवसर मिल सकते हैं। परिवार में खुशियों का वातावरण रहेगा और जीवनसाथी का सहयोग मनोबल बढ़ाएगा। स्वास्थ्य में पहले की तुलना में सुधार देखने को मिलेगा, फिर भी नियमित व्यायाम और संतुलित भोजन को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। विद्यार्थियों के लिए दिन पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अनुकूल रहेगा।

तसर उत्पादन से लाखों की कमाई कर रहे किसान

पारंपरिक हुनर और वैज्ञानिक तकनीक से रेशम का उत्पादन, चार हजार किसान जुड़े

गिरिडीह। गिरिडीह के बेंगाबाद में तसर कभी जंगल और अर्जुन के पेड़ों तक ही सीमित था। अब यह बेंगाबाद प्रखंड के किसानों के लिए रोजगार, आत्मनिर्भरता और अच्छी कमाई का जरिया बन गया है।

तसर के कीट पालन से लेकर कोकून उत्पादन और फिर रेशमी धागे व कपड़े बनने तक की पूरी प्रक्रिया से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है। बेंगाबाद के बासजोर क्षेत्र में किसान पारंपरिक अनुभव के साथ वैज्ञानिक तकनीक अपनाकर तसर उत्पादन को आय का मुख्य जरिया बना रहे हैं।

तसर उत्पादन की शुरुआत कीट के अंडों से होती है। किसानों को अंडे उपलब्ध कराने से पहले उन्हें वैज्ञानिक तरीके से तैयार किया जाता है। करीब सातवें दिन किसानों को अंडे दिए जाते हैं।

लगभग नौवें दिन उनसे कीट के बच्चे निकलते हैं। इसके बाद किसान इन कीटों का पालन अर्जुन समेत दूसरे पेड़ों पर करते हैं।

कीट पत्तियों पर बढ़ते हुए कुछ ही समय में अपने चारों ओर रेशम का कोकून तैयार कर लेते हैं। तसर पालन का पहला क्रॉप करीब 30 दिनों में तैयार होता है। दूसरे क्रॉप में 45 से 60 दिनों तक का समय लगता है।

तैयार कोकून को प्रोजेनी प्रोडक्शन सेंटर (पीपीसी) भेजा जाता है। यहां तितली निकलने के बाद कोकून को झारक्राफ्ट और दूसरी इकाइयों तक भेजा जाता है। इसके बाद कोकून से रेशमी धागा तैयार किया जाता है। इससे अलग-अलग तरह के कपड़े और हस्तशिल्प उत्पाद बनाए जाते हैं।

बेंगाबाद में स्थित पीपीसी केंद्र तसर उत्पादन की पूरी प्रक्रिया में अहम भूमिका निभा रहा है। केंद्र के जरिए किसानों को कीट पालन, कोकून उत्पादन, रोग नियंत्रण और अच्छी गुणवत्ता वाली तकनीकों की जानकारी मिलती है।

किसानों का कहना है कि मेहनत, सही तकनीक और बाजार की सुविधा मिलने पर तसर पालन से सालाना लाखों रुपये तक की आमदनी की जा सकती है।

किसानों का कहना है कि मेहनत, सही तकनीक और बाजार की सुविधा मिलने पर तसर पालन से सालाना लाखों रुपये तक की आमदनी की जा सकती है।

बेंगाबाद प्रखंड में करीब चार हजार किसान तसर उत्पादन से जुड़े हैं। वहीं बासजोर क्षेत्र के लगभग 30 किसान सीधे तौर पर तसर पालन को अपनी आजीविका का जरिया बनाया है।

किसानों का कहना है कि मेहनत, सही तकनीक और बाजार की सुविधा मिलने पर तसर पालन से सालाना लाखों रुपये तक की आमदनी की जा सकती है।

तसर किसान कैलास मंडल और मेरुलाल बास्की के अनुसार, पहले क्रॉप से करीब 50 से 60 हजार रुपये तक की कमाई हो जाती है, जबकि दूसरे क्रॉप में मेहनत और उत्पादन के अनुसार दो से तीन लाख रुपये तक की आमदनी संभव है। किसानों का कहना है कि जितनी मेहनत और बेहतर देखभाल की जाती है, उत्पादन और कमाई भी उसी अनुपात में बढ़ती है।

तेज बारिश से न्यू फरक्का के पास रेलवे ट्रैक धंसाः पाकुड़ से गुजरने वाली 15 ट्रेनें रद्द; यात्रियों की बढ़ी परेशानी

पाकुड़। पश्चिम बंगाल के न्यू फरक्का स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक धंस गया है। मूसलाधार बारिश के कारण यह घटना हुई, जिससे ट्रेनों की आवाजाही पर बुरा असर पड़ा है। इस वजह से पाकुड़ के यात्रियों को भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

रेलवे ने कई ट्रेनों को रद्द कर दिया है। 4 सितंबर को 14 ट्रेनें रद्द की गई थीं, जबकि 5 सितंबर को इसी रूट पर 15 ट्रेनें रद्द की गईं। शनिवार को भी कई ट्रेनें रद्द रहीं, जिससे यात्रियों की मुश्किलें बढ़ गईं।

तकनीकी टीम को जरूरी निर्देश दिए

ट्रैक धंसने से हुई परेशानी को देखते हुए रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों ने मौके का दौरा किया। शुक्रवार को पूर्व रेलवे की महाप्रबंधक गीतिका पांडे ने भी वरिष्ठ अधिकारियों के साथ प्रभावित जगह का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर मौजूद तकनीकी टीम को जरूरी निर्देश दिए।

गुरुवार से ही ट्रेन सेवाओं को बहाल करने के लिए युद्ध स्तर पर मरम्मत का काम शुरू कर दिया गया था। शुक्रवार और शनिवार को भी यह काम जारी रहा। रेलवे ट्रैक की मरम्मत का कार्य तेजी से चल रहा है।

ट्रेनें रद्द रहने से यात्री लौटे घर

ट्रेनें रद्द होने से यात्रियों में काफी बेचैनी देखी गई। शनिवार को बड़ी संख्या में यात्री रेलवे स्टेशन पहुंचे, लेकिन ट्रेनें रद्द होने के कारण उन्हें वापस लौटना पड़ा। कई यात्रियों ने बताया कि उन्हें पश्चिम बंगाल इलाज के लिए जाना था या व्यापार के सिलसिले में यात्रा करनी थी, लेकिन ट्रेनें रद्द होने से उन्हें बहुत परेशानी हो रही है।

फेस्टीव सीजन में ट्रेनों में तेजी से भर रही सीटें:रांची से धार्मिक स्थलों पर जाने वाली ट्रेनें 75% फुल, दिल्ली से धनबाद तक एक विशेष ट्रेन शुरू

रांची/कोडरमा। दशहरे की छुट्टियों में इस बार रांची के लोगों का सफर सिर्फ घूमने-फिरने तक सीमित नहीं है, बल्कि धार्मिक स्थलों के दर्शन पर निकलने की तैयारी भी तेज हो गई है।

परिवार के साथ छुट्टियां बिताने और धार्मिक स्थलों पर जाने के लिए लोगों ने ट्रेन, फ्लाइट और बसों में अभी से टिकट बुक कराना शुरू कर दिया है।

इसका असर बुकिंग पर साफ दिखाई दे रहा है। 8 से 20 अक्टूबर के बीच प्रयागराज, पुरी, देवघर, जम्मू और दिल्ली जाने वाली कई ट्रेनों में सीटें तेजी से भर रही हैं।

कई ट्रेनों में वेटिंग और आरएसी की स्थिति भी बन गई है। वहीं, फ्लाइट्स में भी डिमांड बढ़ने और डायनेमिक फेयर के कारण किराया बढ़ने लगा है। खास बात यह है कि यात्रियों की पसंद में इस बार धार्मिक शहर सबसे ऊपर नजर आ रहे हैं।

ट्रेन संख्या 03639/40 शकूर बस्ती-धनबाद स्पेशल ट्रेन 4 सितंबर से 30 नवंबर तक चलेगी। (प्रतीकात्मक फोटो)

ट्रेन संख्या 03639/40 शकूर बस्ती-धनबाद स्पेशल ट्रेन 4 सितंबर से 30 नवंबर तक चलेगी। (प्रतीकात्मक फोटो)

सप्ताह में दो दिन चलेगी दिल्ली से ट्रेन

वहीं, त्योहारों पर यात्रियों की सुविधा के लिए दिल्ली के शकूर बस्ती से धनबाद तक एक विशेष ट्रेन चलाई जा रही है। ट्रेन संख्या 03639/40 शकूर बस्ती-धनबाद स्पेशल ट्रेन 4 सितंबर से 30 नवंबर तक चलेगी।

यह ट्रेन सप्ताह में दो दिन, मंगलवार और शनिवार को शकूर बस्ती से धनबाद के लिए चलेगी। वहीं, सोमवार और शुक्रवार को यह धनबाद से शकूर बस्ती के लिए रवाना होगी। आने वाले दिनों में अन्य महानगरों से भी झारखंड के लिए विशेष ट्रेनें चलाने की उम्मीद है।

डर लगा रहता है कब जमीन धंस जाएः धनबाद में 7 दिन में कई जगह भू-धंसान

हर समय डर रहता है कि कब जमीन धंस जाए...धबनाद के झरिया के आग प्रभावित इलाके में रहने वाले लोगों की यह चिंता बीते 7 दिनों में हुई भू-धंसान की घटनाओं के बाद और गहरी हो गई है। 30 अगस्त को बारिश के बीच झरिया में जमीन धंसने से बड़ा गोफ बन गया। आसपास के घरों में दरारें आ गईं। इसके दो दिन बाद कतरास के लकड़का छह नंबर चानक के पास तेज आवाज के साथ करीब 30 फीट का गोफ बन गया।

इसमें एक मवेशी गिर गया, जिसे कई घंटे के बचाव अभियान के बाद बाहर निकाला गया। लोयाबाद-कतरास मेन रोड पर भी महीनों पहले धंसी सड़क की अब तक मरम्मत नहीं हुई है। सड़क किनारे गैस रिसाव की शिकायत भी लोगों की चिंता बढ़ा रही है। स्थानीय लोगों की मांग है कि सड़क की मरम्मत के साथ गैस रिसाव की जांच कर सुरक्षा के इंतजाम किए जाएं।

3 सितंबर को लोदना क्षेत्र के बरारी छह नंबर बस्ती में तेज धमाके के साथ जमीन धंस गई। जमीन में बनी दरारों से आग की लपटें और जहरीला धुआं निकलने लगा। इससे आसपास रहने वाले परिवारों में हड़कंप मच गया। गैस और धुएं के बीच रहने वाले लोगों को अब स्वास्थ्य और जान का खतरा सता रहा है। इसी दिन केंदुआडीह के कुर्मी डीह-पांडे बस्ती के पास अचानक दो बड़े गोफ बन गए।

झारखंड में अगले 5 दिन बढ़ेगा तापमान : 10 सितंबर तक कहीं-कहीं गरज-वज्रपात और तेज हवा का अलर्ट

रांची। मौसम पूर्वानुमान के अनुसार राज्य में अगले कुछ दिनों तक मौसम बदला रहेगा। 7 सितंबर तक आसमान में बादल छाए रहेंगे। कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश या मेघ गर्जन की संभावना है।

अगले 5 दिनों में अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस वृद्धि हो सकती है। 8 सितंबर को भी कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश या मेघ गर्जन की प्रबल संभावना है। 9 और 10 सितंबर के पूर्वानुमान में भी यही स्थिति रहने की संभावना है।

24 घंटे में रांची का अधिकतम तापमान 25.4 डिग्री रहा, जो सामान्य से 4.3 डिग्री कम है। न्यूनतम 21.4 डिग्री रहा, जो सामान्य से 0.9 डिग्री कम है।

जमशेदपुर में अधिकतम 30.3, न्यूनतम 24.7, डालटनगंज में 32.1 और 25.8, बोकारो-थर्मल में 31.1 और 23.5, चाईबासा में 28.4 और 22.8, सिमडेगा में 25.7 और 23.3, लातेहार में 25.1 और 20.4, सरायकेला में 29.8 और 24.5, पाकुड़ में 32.0 और 26.8 तथा बहरागोड़ा में 33.5 और 25.5 डिग्री तापमान दर्ज हुआ।

रांची में 0.2 मिमी, सरायकेला में 0.5 मिमी बारिश हुई, जबकि जमशेदपुर, डालटनगंज, बोकारो-थर्मल, चाईबासा, सिमडेगा और लातेहार में बारिश नहीं हुई। 1 जून से अब तक रांची में 1087.3, जमशेदपुर में 993.3, डालटनगंज में 1015.4, बोकारो-थर्मल में 803.0 और चाईबासा में 1097.2 मिमी बारिश हुई।

सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

1	9			3				2
7					6			5
				7				4
		5			3	8		
	8			2				
	7		6				2	3
5	1				8		3	
			1			2		
		8	3				5	

पिछले अंक का उत्तर

5	3	4	6	7	8	9	1	2
6	7	2	1	9	5	3	4	8
1	9	8	3	4	2	5	6	7
8	5	9	7	6	1	4	2	3
4	2	6	8	5	3	7	9	1
7	1	3	9	2	4	8	5	6
9	6	1	5	3	7	2	8	4
2	8	7	4	1	9	6	3	5
3	4	5	2	8	6	1	7	9

चौखट पर हमारी
तुम्हारी
आने की आहट के
इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद
आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास
आए हैं।।
ख़्यालों से नहीं जाते
निकाले चर्चे समायत
के,
कि गिरते संभलते हम
खुद ही खुद में हारे पास
आए हैं।।

मेरु कैंप में 140 जवानों की पासिंग आउट परेडःहजारीबाग में 44 सप्ताह की ट्रेनिंग पूरी

हजारीबाग। सीमा सुरक्षा बल के मेरु कैंप स्थित रानी लक्ष्मीबाई परेड ग्राउंड में शनिवार को पासिंग आउट परेड हुई। इसमें 140 नए जवानों ने तिरंगे के नीचे देश की एकता और सुरक्षा की शपथ ली। इस दौरान 'भारत माता की जय' के नारों से पूरा परिसर गूंज उठा।

इन जवानों ने 44 सप्ताह की ट्रेनिंग पूरी की। इस दौरान उन्होंने अनुशासन और कड़ी मेहनत से प्रशिक्षण लिया। परेड में जवानों ने शानदार प्रदर्शन किया। इस ट्रेनिंग में केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और कर्नाटक समेत कई राज्यों के जवान शामिल थे। प्रशिक्षण केंद्र के महानिरीक्षक धीरेंद्र संभाजी कुटे ने बताया कि जवानों को शारीरिक ट्रेनिंग, हथियार चलाने, कानून, अंतरराष्ट्रीय कानून और मानवाधिकार की जानकारी दी गई। उन्हें आतंकवाद और उग्रवाद से निपटने का तरीका भी सिखाया गया। खेलकूद और सामाजिक गतिविधियों से भी उन्हें अपनी जिम्मेदारियों के लिए तैयार किया गया।

थिम्मप्पैया मेमोरियल टूर्नामेंट में छत्तीसगढ़ की शानदार जीत:मध्यप्रदेश को 6 विकेट से हराया, 50 ओवर में चेज किया 183 रन का टारगेट

रायपुर। कर्नाटक के बेंगलुरु में खेले जा रहे थिम्मप्पैया मेमोरियल इनविटेशनल क्रिकेट टूर्नामेंट 2026-27 में छत्तीसगढ़ ने मध्यप्रदेश को 6 विकेट से हरा दिया। मैच के चौथे दिन छत्तीसगढ़ ने 183 रन का टारगेट 50 ओवर में 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया।

अजय मंडल ने 60 रन की पारी खेली, जबकि सनिध्य हुरकट ने 47 और विकल्प तिवारी ने नाबाद 35 रन बनाए। कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से आयोजित यह टूर्नामेंट 1 सितंबर से शुरू हुआ है।

छत्तीसगढ़ का पहला मुकाबला मध्यप्रदेश के साथ बेंगलुरु में खेला गया। मध्यप्रदेश ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का फैसला किया। टीम ने पहली पारी में 93.4 ओवर में 9 विकेट पर 290 रन बनाकर पारी घोषित कर दी।

मध्यप्रदेश की ओर से शुभम शर्मा ने शानदार 105 रन बनाए। यश दुबे ने 69 रन की पारी खेली। छत्तीसगढ़ के लिए मयंक यादव और संदीप वॉरियर ने 3-3 विकेट लिए।

छत्तीसगढ़ ने पहली पारी में बनाई 310 रन की बढ़त

पहली पारी में छत्तीसगढ़ ने 109.2 ओवर में सभी 10 विकेट खोकर 310 रन बनाए। टीम की ओर से अनुज तिवारी ने 83 रन बनाए। सनिध्य हुरकट ने 55 रन की पारी खेली। इसके अलावा विकल्प तिवारी ने 46 और जयंत यादव ने नाबाद 42 रन बनाए। मध्यप्रदेश के लिए कुमार कार्तिकेय और रवि किरण ने 3-3 विकेट लिए।

छत्तीसगढ़ की पहली पारी के बाद मध्यप्रदेश ने दूसरी पारी शुरू की, लेकिन पूरी टीम 67.3 ओवर में 202 रन पर ऑलआउट हो गई। हालांकि हिमांशु मंत्री ने नाबाद 106 रन की शानदार पारी खेली। वेंकटेश अय्यर ने 29 रन बनाए।

छत्तीसगढ़ की तरफ से अजय मंडल और संदीप वॉरियर ने 3-3 विकेट लेकर मध्यप्रदेश की पारी को समेटने में अहम भूमिका निभाई।

मध्यप्रदेश ने छत्तीसगढ़ के सामने जीत के लिए 183 रन का टारगेट रखा। छत्तीसगढ़ ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 50 ओवर में 4 विकेट खोकर 184 रन बना लिए और मैच 6 विकेट से अपने नाम कर लिया।

अजय मंडल ने 60 रन की अहम पारी खेली। सनिध्य हुरकट ने 47 रन बनाए, जबकि विकल्प तिवारी 35 रन बनाकर नाबाद रहे। मध्यप्रदेश की ओर से कुमार कार्तिकेय ने 2 विकेट लिए।

छत्तीसगढ़ के गेंदबाज और बल्लेबाज दोनों रहे असरदार

मैच में छत्तीसगढ़ की जीत में गेंदबाजों और बल्लेबाजों दोनों का योगदान रहा। पहली पारी में मयंक यादव और संदीप वॉरियर ने 3-3 विकेट लिए। दूसरी पारी में अजय मंडल और संदीप वॉरियर ने भी 3-3 विकेट झटके।

बल्लेबाजी में अनुज तिवारी ने पहली पारी में 83 रन बनाए, जबकि दूसरी पारी में अजय मंडल की 60 रन की पारी ने टीम को लक्ष्य तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

बिजनेस न्यूज

CICI बैंक में 9.99% हिस्सेदारी खरीदेगी LIC: RBI से मंजूरी मिली; कंपनी को 1 साल में प्रोसेस पूरी करनी होगी

मुंबई। देश की सबसे बड़ी सरकारी बीमा कंपनी लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया अब ICICI बैंक में 9.99% हिस्सेदारी खरीदेगी। इसके लिए LIC को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया से मंजूरी मिल गई है।

ICICI बैंक ने शेयर मार्केट फाइलिंग में इस बात की जानकारी दी है। बैंक के मुताबिक, RBI की ओर से जारी मंजूरी पत्र 4 सितंबर 2026 को रात 9:09 बजे प्राप्त हुआ। यह अनुमति मिलने के बाद अब LIC अगले एक साल के भीतर बैंक में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा सकेगी।

1 साल की समयावधि तय, वरना रद्द होगी मंजूरी

फाइलिंग में बताया गया है कि यह मंजूरी एक सीमित समय सीमा के साथ दी गई है। यदि LIC मंजूरी पत्र जारी होने की तारीख (4 सितंबर 2026) से एक साल के भीतर इस हिस्सेदारी का अधिग्रहण पूरा नहीं कर पाती है, तो यह अनुमति रद्द हो जाएगी। यह खरीद सरकारी नियमों और कानूनी शर्तों को पूरा करने पर ही तय होगी।

ICICI बैंक से पहले LIC को देश के सबसे बड़े प्राइवेट बैंक HDFC बैंक में भी अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की मंजूरी मिल चुकी है।

19 अगस्त को HDFC बैंक की फाइलिंग के अनुसार, RBI ने LIC को बैंक की पेड-अप शेयर कैपिटल या वोटिंग राइट्स का 9.99% तक अधिग्रहण करने की अनुमति दी थी।

एक हफ्ते में सोना 4694 और चांदी 8436 सस्ती: 10 ग्राम सोना 1.55 लाख पर आया, एक किलो चांदी 2.35 लाख की बिक रही

नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में इस हफ्ते गिरावट रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 4,694 रुपए गिरकर 1.55 लाख रुपए हो गया है।

इससे पहले ये बीते हफ्ते यानी 28 अगस्त को करीब 1.60 लाख रुपए पर था। वहीं चांदी 2.44 लाख रुपए किलो से घटकर 2.35 लाख रुपए पर पहुंच गई है, इसकी कीमत 8,436 रुपए बढ़ी है।

अलग-अलग शहरों में सोने के दाम अलग होने की 4 वजहें

ट्रांसपोर्टेशन और सिक्योरिटी: एक शहर से दूसरे शहर सोना ले जाने में ईंधन और सुरक्षा खर्च जुड़ता है, जिससे दूरी बढ़ने पर दाम बढ़ते हैं।

खरीदारी की मात्रा: दक्षिण भारत में ज्यादा खपत (करीब 40%) के कारण ज्वेलर्स बड़ी खरीद करते हैं, लेकिन छूट का फायदा सीमित रहता है।

लोकल ज्वेलरी एसोसिएशन: राज्य और शहर के ज्वेलरी एसोसिएशन स्थानीय मांग-सप्लाई के आधार पर रेट तय करते हैं।

पुराना स्टॉक और खरीद मूल्य: ज्वेलर्स का खरीदी रेट तय करता है कि वे ग्राहकों को कितनी कीमत में बेचेंगे।

सोना इस साल 22 हजार महंगा हो चुका

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 22 हजार रुपए महंगा हो चुका है। 31 दिसंबर 2025 को 10द्द सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.55 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

व्हाइट हार्स पेयर

श्वेत घोड़े के जोड़े का उपयोग घर के विभिन्न हिस्सों में सुख, समृद्धि, शांति और सफलता को लाने के लिए किया जाता है। यह विद्युतीय ऊर्जा को संतुलित करके आपके घर में सकारात्मकता को बढ़ाने का कारण बनते हैं। श्वेत घोड़े के जोड़े का उपयोग पशु स्थल, कार्यालय या व्यापार स्थान, औद्योगिक कार्यालय, परिवार क्षेत्र में किया जा सकता है।

ध्यान दें कि ये उपाय वास्तु शास्त्र की परंपरा के अनुसार हैं, और इनका व्यापारिक आधार नहीं है। इसलिए, कृपया एक वास्तु विशेषज्ञ से परामर्श करें और आवश्यकतानुसार उपाय करें।

Vastu Guruji
www.vastuguruji.com RAJ BHAWAN ROAD, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.) 492001

जूनियर मेंस हॉकी एशियाड में भारत की 14-0 से जीत: इंडोनेशिया को हराया, प्रभदीप ने 5 और अनमोल ने 4 गोल किए

भारत की जूनियर मेंस हॉकी टीम ने चीन के मोकी में जूनियर एशिया कप 2026 की शुरुआत 14-0 की बड़ी जीत से की। ग्रुप ए के पहले मुकाबले में भारत ने इंडोनेशिया को हराया।

प्रभदीप सिंह ने सबसे ज्यादा 5 गोल किए और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। कप्तान अनमोल एक्का ने 4, अजीत यादव ने 3, जबकि हरपाल और आशु मौर्य ने 1-1 गोल किया।

पहले क्वार्टर में भारत की बढ़त

भारत ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और इंडोनेशिया पर लगातार दबाव बनाए रखा। प्रभदीप ने 5वें मिनट में गोल कर भारत को बढ़त दिलाई। इसके बाद हरपाल ने 8वें मिनट में गोल करके स्कोर 2-0 कर दिया।

इंडोनेशिया भारतीय टीम के तेज हमलों और लगातार मूवमेंट का सामना नहीं कर सका। पहले क्वार्टर के अंत तक भारत 2-0 से आगे था।

दूसरे क्वार्टर में कप्तान अनमोल ने 16वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल किया। इसके चार मिनट बाद अजीत यादव ने गोल कर भारत की बढ़त 4-0 कर दी।

प्रभदीप ने 26वें और 30वें मिनट में गोल करके अपनी हैट्रिक पूरी की। हाफ-टाइम तक भारत 6-0 से आगे था।

तीसरे क्वार्टर में अनमोल ने 35वें और 42वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। इसके बाद तीसरे क्वार्टर के खत्म होने से ठीक पहले प्रभदीप ने एक और गोल किया। इससे स्कोर 9-0 हो गया।

आखिरी क्वार्टर सबसे ज्यादा गोल वाला रहा। अनमोल ने 51वें मिनट में अपना चौथा गोल किया। इसके एक मिनट बाद प्रभदीप ने मैच का पांचवां गोल दागा।

अजीत यादव ने 53वें मिनट में 2 गोल करके अपनी हैट्रिक पूरी की और भारत की बढ़त 13-0 कर दी। मौर्य ने 59वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर से गोल करके स्कोर 14-0 कर दिया।

भारत ने मैच में 9 फील्ड गोल, 4 पेनल्टी कॉर्नर और 1 पेनल्टी स्ट्रोक से गोल किए। अनमोल ने 3 पेनल्टी कॉर्नर और 1 पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदला। मौर्य ने चौथे सेट-पीस से गोल किया।

अल्काराज और मेदवेदेव र ओपन के चौथे राउंड में पहुंचे: सबालेंका के मैच में गांजे की बदबू से रुका खेल, विंबलडन फाइनलिस्ट मुचोवा बाहर

न्यूयॉर्क में शुक्रवार को र ओपन 2026 के तीसरे राउंड में स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने चीन के वू यिबिंग को 6-3, 6-4, 6-1 से हराकर मेंस सिंगल्स के चौथे राउंड में पहुंच गए। 139 दिन बाद सिंगल्स कोर्ट पर लौटे अल्काराज ने 2 घंटे 20 मिनट में मैच जीता। वहीं, डेनियल मेदवेदेव ने आर्थर रिंडरकनेच को 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई।

विमेंस सिंगल्स में डिफेंडिंग चैंपियन आर्यना सबालेंका ने मैच के दौरान स्टैंड्स से आ रही गांजे की बदबू की शिकायत की, जबकि एम्मा नवारो ने विंबलडन फाइनलिस्ट करोलिना मुचोवा को हराकर बड़ा उलटफेर किया।

चोट से वापसी के बाद लय में लौट रहे अल्काराज

कलाई की चोट के कारण अप्रैल से सिंगल्स कोर्ट से दूर रहे अल्काराज टूर्नामेंट में लगातार तीसरी जीत दर्ज की। सात बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन अल्काराज ने पहले राउंड में सीधे सेटों में जीत हासिल की थी, जबकि दूसरे राउंड में पुर्तगाल के जेमी फारिया के खिलाफ एक सेट गंवाना पड़ा था।

वहीं तीसरे राउंड में वू यिबिंग के खिलाफ अल्काराज ने शुरुआत से ही मैच पर पकड़ बनाए रखी। जीत के बाद अल्काराज ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मैं जितना सोच रहा था, उससे बेहतर स्थिति में हूं।

शमी दलीप ट्रॉफी फाइनल में 100वां फर्स्ट-क्लास मैच खेलेंगे: मुकाबले से पहले बंगाल क्रिकेट एसोसिएशन सम्मान देगा

चेन्नई। दलीप ट्रॉफी का फाइनल मुकाबला भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का 100वां फर्स्ट क्लास मैच होगा। इस मैच से पहले शनिवार को बंगाल क्रिकेट एसोसिएशन (छ्क्र) उन्हें सम्मानित करेगा। मुकाबला चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में रविवार को सुबह 9:30 बजे से खेला जाएगा।

फाइनल मैच ईस्ट जोन और साउथ जोन के बीच होने वाला है। 36 साल के शमी ईस्ट जोन से खेलेंगे। ईशान किशन टीम के कप्तान हैं, जबकि वैभव सूर्यवंशी उपकप्तान हैं।

शमी को एसोसिएशन के अध्यक्ष सौरव गांगुली के हस्ताक्षर वाली क्रिकेट बॉल, कस्टमाइज्ड नंबर-100 जर्सी और चांदी की ट्रॉफी देगा। छ्क्र के कोषाध्यक्ष संजय दास तेज गेंदबाज को सम्मानित करेंगे।

संजय दास ने कहा- 'शमी बंगाल क्रिकेट का गौरव और एक महान खिलाड़ी हैं। यह अहम उपलब्धि हासिल करने पर उनके लिए राज्य संघ की ओर से एक छोटा-सा सम्मान है।'

शमी ने फर्स्ट क्लास में 382 विकेट लिए

शमी ने अब तक 99 फर्स्ट-क्लास मैचों में 382 विकेट लिए हैं। ईस्ट जोन को फाइनल तक पहुंचाने में भी उन्होंने अहम भूमिका निभाई। पारी में 90 रन देकर 8 विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। उन्होंने सेमीफाइनल में डिफेंडिंग चैंपियन सेंट्रल जोन के खिलाफ मैच में 5 विकेट लिए थे।

कृष्णमाचारी श्रीकांत ने वैभव सूर्यवंशी की तारीफ की: बोले- मेरी पत्नी भी उसकी वजह से दलीप ट्रॉफी देख रही

पूर्व भारतीय ओपनर कृष्णमाचारी श्रीकांत ने 15 साल के वैभव सूर्यवंशी की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि बेखौफ अंदाज में क्रिकेट खेलने वाला यह युवा बल्लेबाज सही मार्गदर्शन मिलने पर वर्ल्ड क्रिकेट का सुपरस्टार बन सकता है। श्रीकांत ने यह भी बताया कि वैभव की बल्लेबाजी का असर ऐसा है कि उनकी पत्नी भी दलीप ट्रॉफी देखने लगी हैं।

श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि अगर वैभव को सही तरीके से तैयार किया गया, तो वे विश्व क्रिकेट में बड़ा नाम बन सकते हैं।

श्रीकांत ने कहा, 'वे शानदार खेल रहा है। उसे प्रोत्साहित करना चाहिए और कभी हतोत्साहित नहीं करना चाहिए। अगर उसे सही तरीके से तैयार किया गया, तो वह सुपरस्टार बनने की राह पर है। वे टेस्ट क्रिकेट को फिर उसके गौरव तक पहुंचाएगा।'

श्रीकांत ने आगे कहा, सूर्यवंशी की वजह से लोग दलीप ट्रॉफी जैसे घरेलू टूर्नामेंट को भी देखने लगे। यहां तक कि मेरी पत्नी भी उसकी वजह से दलीप ट्रॉफी देख रही थीं।

वैभव ने सेंट्रल जोन के खिलाफ दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में 81 गेंदों पर 92 रनों की आक्रामक पारी खेली। दूसरी पारी में भी उन्होंने 40 रन बनाए। ईस्ट जोन ने यह मुकाबला चार विकेट से जीतकर फाइनल में जगह बनाई।

इस मैच के दौरान वैभव ने एक और रिकॉर्ड अपने नाम किया। वे दलीप ट्रॉफी में अर्धशतक लगाने वाले सबसे कम उम्र के बल्लेबाज बन गए।

वैभव ने दलीप ट्रॉफी के पहले सेमीफाइनल में सेंट्रल जोन के खिलाफ पहली पारी में 92 रन की पारी खेली थी।

वैभव ने दलीप ट्रॉफी के पहले सेमीफाइनल में सेंट्रल जोन के खिलाफ पहली पारी में 92 रन की पारी खेली थी।

श्रीकांत ने वैभव की बल्लेबाजी के तरीके की खास तौर पर तारीफ की। उनका कहना है कि रेड-बॉल क्रिकेट में भी जिस तरह यह युवा बल्लेबाज गेंदबाजों पर दबाव बना रहा है, वह उनकी असाधारण क्षमता दिखाता है।

श्रीकांत ने कहा, 'लोग इस बात पर संदेह कैसे कर सकते हैं कि यह लड़का हाई लेवल क्रिकेट खेल सकता है या नहीं? वह हर स्तर का क्रिकेट खेल सकता है और जल्द ही सभी फॉर्मेट में विश्व क्रिकेट पर राज करने वाला है।'

भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हमें धर्म, कर्तव्य और लोककल्याण के मार्ग पर चलने की देता है प्रेरणा : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर के टाटीबंध स्थित इस्कॉन रायपुर के श्री श्री राधा रासबिहारी जी मंदिर में आयोजित श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महा-महोत्सव में शामिल हुए। भक्तिमय वातावरण के बीच मुख्यमंत्री श्री साय ने भगवान श्रीकृष्ण और राधारानी के दर्शन कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना एवं शंख अभिषेक किया और प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि, खुशहाली और मंगलमय जीवन की कामना की।

मुख्यमंत्री साय ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों और उपस्थित श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का संपूर्ण जीवन मानव समाज को धर्म, कर्तव्य और लोककल्याण के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। श्रीमद्भगवद्गीता के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण ने कर्मयोग का जो संदेश दिया, वह आज भी मानवता को जीवन की चुनौतियों के बीच अपने कर्तव्य पथ पर दृढ़तापूर्वक आगे बढ़ने की दिशा दिखाता है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जन्माष्टमी केवल भगवान श्रीकृष्ण के प्राकट्य का उत्सव नहीं, बल्कि उनके जीवन-दर्शन और आदर्शों को आत्मसात करने का भी अवसर है। भगवान श्रीकृष्ण ने अपने जीवन के माध्यम से अन्याय के विरुद्ध खड़े होने, धर्म की रक्षा करने और समाज के कमजोर वर्ग के साथ खड़े रहने का संदेश दिया। उनके विचार युगों-युगों से भारतीय समाज को प्रेरित करते आ रहे हैं।

इस अवसर पर मंदिर परिसर 'हरे कृष्ण, हरे कृष्ण, कृष्ण कृष्ण, हरे हरे' के महामंत्र से गुंजायमान रहा। मुख्यमंत्री श्री साय ने भी भक्तवृंद के साथ हरे कृष्ण महामंत्र का घोष किया और वृंदावन बिहारीलाल के प्राकट्य उत्सव पर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर में बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं के उत्साह और भक्तिभाव से पूरा वातावरण कृष्णमय हो गया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की धरती प्राचीन काल से ही धर्म, अध्यात्म और संस्कृति की पुण्यभूमि रही है। यह माता कौशल्या का मायका और प्रभु श्रीराम का ननिहाल है। हमारे गांवों, नगरों, मंदिरों, तीर्थों और लोक परंपराओं में हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत जीवंत है। इस गौरवशाली धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान को सहेजना, उसका संवर्धन करना तथा नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ना राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में भोरमदेव, गंधेश्वर महादेव, मधेश्वर महादेव और कुलेश्वर महादेव जैसे प्रसिद्ध शिवधाम हैं, वहीं मां बमलेश्वरी, रतनपुर की मां महामाया, माता दंतेश्वरी और मां चंद्रहासिनी जैसे शक्तिपीठ एवं आस्था केंद्र प्रदेश की आध्यात्मिक पहचान को समृद्ध करते हैं। राज्य सरकार इन धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाएं विकसित करने और उन्हें भव्य स्वरूप देने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व के भोरमदेव मंदिर क्षेत्र को प्रसाद योजना के अंतर्गत लगभग 150 करोड़ रुपए की लागत से विकसित किया जा रहा है। इसके माध्यम से धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलने के साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार और आजीविका के नए अवसर भी सृजित होंगे।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आस्था हमारे समाज की बड़ी शक्ति है।

मृत भालू के नाखून काटकर ले जाने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ में वन्यजीवों की सुरक्षा और अवैध शिकार पर रोक लगाने के लिए वन विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के वन परिक्षेत्र मरवाही में मृत भालू के नाखून काटकर ले जाने के मामले में वन विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से भालू के चार नाखून बरामद किए गए हैं।

वन विभाग को 3 सितंबर को मरवाही वृत्त के उसाढ़ परिसर स्थित कक्ष क्रमांक 2035 में भालू के मृत होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही टीम तत्काल मौके पर पहुंची। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि मृत भालू के पिछले दाएं पंजे के चार नाखून गायब थे। घटना की गंभीरता को देखते हुए वन विभाग द्वारा डॉग स्क्वॉड टीम की सहायता से सघन सर्च एवं पतासाजी अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान वन विभाग की टीम ने दो आरोपियों - 'सुदर्शन यादव उम्र 54 वर्ष और सूरज साहिस उम्र 20 वर्ष, दोनों निवासी ग्राम बरौर' को पकड़ा। दोनों के कब्जे से मृत भालू के चार नाखून बरामद कर विधिवत जप्त कर लिया गया है। आरोपियों के विरुद्ध वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के प्रावधानों के तहत वैधानिक कार्रवाई कर उन्हें न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

सर्च एवं वैधानिक प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद पशु चिकित्सकों की टीम की मौजूदगी में मृत भालू का पोस्टमार्टम कराया गया। पशु चिकित्सकों ने प्रथम दृष्टया भालू की मृत्यु का कारण तीव्र फेफड़ों का संक्रमण बताया है। पोस्टमार्टम के बाद मृत भालू का विधिवत दाह संस्कार किया गया।

जन्माष्टमी पर वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने रायगढ़ के मंदिरों में की पूजा-अर्चना

रायपुर। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने रायगढ़ स्थित विभिन्न मंदिरों में पहुंचकर भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन एवं पूजा-अर्चना की। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण से प्रदेशवासियों के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि के साथ ही प्रदेश की खुशहाली की कामना की।

वित्त मंत्री चौधरी ने रायगढ़ के श्याम मंदिर एवं गौरी शंकर मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण के दिव्य दर्शन कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की कृपा से प्रत्येक घर में सुख, शांति और समृद्धि का वास हो, यही उनकी प्रार्थना है।

इसके पश्चात श्री चौधरी ने रायगढ़ के बड़े रामपुर स्थित राधा-कृष्ण मंदिर में भी भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन-पूजन किए। उन्होंने प्रदेशवासियों की सुख-शांति, समृद्धि और मंगलमय जीवन की कामना की।

जन्माष्टमी के अवसर पर मंदिरों में श्रद्धालुओं की आस्था और भक्ति का विशेष वातावरण देखने को मिला। भगवान श्रीकृष्ण के जयघोष से मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा। इस अवसर पर वित्त मंत्री श्री चौधरी ने सभी प्रदेशवासियों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पावन पर्व हमें धर्म, सत्य, प्रेम और कर्म के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

नक्सलमुक्त क्षेत्रों में शिक्षा की नई भोर, छत्तीसगढ़ में नक्सलमुक्त क्षेत्रों में स्कूलों में बजने लगी घंटी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में दो दशकों के लंबे इंतजार के बाद स्कूलों में घंटियां बजने लगी हैं, जो इस शिक्षक दिवस पर बस्तर और उसके आस-पास के क्षेत्रों के लिए एक ऐतिहासिक और भावुक बदलाव का प्रतीक है। जहाँ कभी बारूद की गंध और बंदूक की आवाजें हुआ करती थीं, वहाँ अब बच्चे राष्ट्रगान गा रहे हैं।

5 सितंबर को देशभर में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर 'शिक्षक दिवस' की धूमधाम रहेगी। इस पावन अवसर पर छत्तीसगढ़ का बस्तर और अन्य दूरस्थ अंचल एक नई उम्मीद के साथ मुस्कुरा रहा है। कभी बंदूक के साए और नक्सली खौफ के कारण दशक भर से बंद पड़े स्कूल आज फिर से गुलजार हो चुके हैं। दूर-दराज के गांवों में जब वर्षों बाद फिर से स्कूल की घंटी बजती है, तो वह केवल पढ़ाई की शुरुआत नहीं होती, बल्कि उस क्षेत्र में लौटते लोकतंत्र, शांति और सुरक्षा की गूंज होती है।

छत्तीसगढ़ सरकार की पुनर्वास, सुरक्षा और जन कल्याणकारी नीतियों ('नियद नेल्ला नार' जैसी योजनाओं) के प्रभाव से दक्षिण बस्तर के सुदूर नक्सल प्रभावित इलाकों में अभूतपूर्व बदलाव देखने को मिल रहा है। बीजापुर, सुकमा, दंतेवाड़ा और नारायणपुर जैसे जिलों में लगभग दो से ढाई दशकों से बंद पड़े 600 से अधिक प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों को जिला प्रशासन और पुलिस बल के सहयोग से दोबारा खोल दिया गया है। जो इमारतें कभी नक्सलियों द्वारा ध्वस्त कर दी गई थीं या सुरक्षा बलों के कैंप के लिए इस्तेमाल होती थीं, उन्हें फिर से संवारकर बाल-सुलभ रूप दिया गया है। नक्सलमुक्त होते क्षेत्रों में शिक्षा की लौ जलाने का वास्तविक श्रेय उन स्थानीय शिक्षकों को जाता है, जिन्होंने विपरीत और भयावह परिस्थितियों के बावजूद अपना कर्तव्य नहीं छोड़ा।

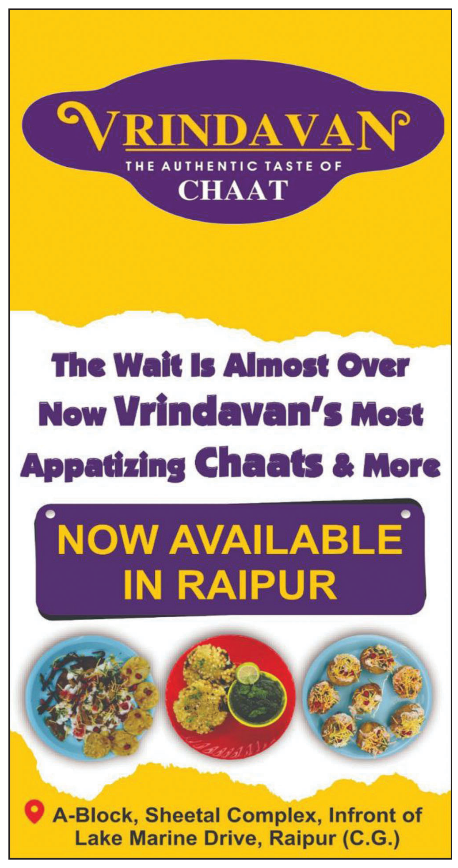

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684